मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 337
रविवार, 28 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

TET पेपर लीक पर सियासी घमासान, राहुल गांधी बोले- हर युवा असुरक्षित, ये भविष्य की चोरी है

नई दिल्ली, 27 जून। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) 2026 को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को वसूली का तंत्र बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की TET परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का जरिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ.पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है।

इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (MSCE) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को स्थगित कर दिया गया है।

यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। टरउए ने अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा कि NEET 2026 परीक्षा के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को देखते हुए उसने सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे, लेकिन शनिवार की सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास TET प्रश्न-पत्र से जुड़ी जानकारी थी। काउंसिल ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और जांच के दौरान पाया कि अनधिकृत प्रश्न-पत्र के कई सवाल असली TET परीक्षा के प्रश्न-पत्र से मेल खाते थे। बयान के अनुसार, भिवंडी पुलिस ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, 28 जून 2026 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं।₹ साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षा से जुड़ी नई जानकारी काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर भ्रम फैलाने वालों को MoD ने दिया करारा जवाब: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 27 जून। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर साफ किया कि 28 जुलाई, 2025 को संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण को चुनिंदा तौर पर उद्धृत किया गया, ताकि गलत मतलब निकाला जा सके कि सिंह ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि ये बातें जानबूझकर गुमराह करने वाली और तथ्यों के लिहाज से गलत हैं। यह उन रिपोर्टों के जवाब में है जिनमें कहा गया था कि सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए छह जवानों के नाम जारी किए हैं, जबकि संसद में अपने पिछले भाषण के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ चार दिन के संघर्ष में भारत का कोई भी जवान शहीद नहीं हुआ। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जिन लोगों ने मंत्री के संसदीय भाषण को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की है, उन्होंने जानबूझकर उनकी बातों के पूरे संदर्भ को नजरअंदाज किया है।

मंत्रालय ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि सिंह के भाषण के समय मीडिया के कुछ हिस्सों और सोशल मीडिया पर एक बात बहुत जोर-शोर से चल रही थी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय पायलट मारे गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कहानी पूरी तरह से झूठी थी, फिर भी इसे जोर-शोर से फैलाया जा रहा था ताकि ऑपरेशन की सफलता को कम किया जा सके और लोगों का मनोबल गिराया जा सके।

रक्षा मंत्री ने इसी खास और शरारतपूर्ण कहानी के जवाब में वह बयान दिया था।

मंत्रालय ने कहा कि इसलिए, उनकी टिप्पणी उस झूठ का एक लक्षित और संदर्भ-विशेष जवाब थी, जो उस समय तेजी से फैल रहा था। उनके बयान का ज़िक्र करते हुए, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, यह ऑपरेशन 'सिंदूर' की शानदार सफलता का गर्व से भरा और सटीक विवरण था; एक ऐसा ऑपरेशन जिसमें भारतीय रक्षा बलों ने बेजोड़ सटीकता, दृढ़ संकल्प और सैन्य पेशेवरपन का प्रदर्शन किया।

खालिस्तानी धमकी के बाद दिल्ली-उत्तराखंड के मंदिर निशाने पर, एजेंसियां हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली, 27 जून। अगले कुछ दिनों में खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा संभावित आतंकी हमले की जानकारी मिलने के बाद दिल्ली और उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी किया है। अलर्ट में चेतावनी दी गई है कि खालिस्तानी आतंकवादी उत्तराखंड और दिल्ली के प्रमुख मंदिरों को निशाना बना सकते हैं। धार्मिक स्थलों के अलावा, सरकारी संस्थानों, रेलवे स्टेशनों और पुलिस प्रतिष्ठानों को भी संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। यह अलर्ट अधिकारियों को एक संदिग्ध ईमेल मिलने के बाद जारी किया गया, जिसमें कथित तौर पर कई मंदिरों, सरकारी कार्यालयों और राजनीतिक नेताओं का संभावित लक्ष्यों के रूप में ज़िक्र था। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल की सामग्री को गंभीरता से ले रही हैं।

अलर्ट के बाद, उत्तराखंड पुलिस, खुफिया एजेंसियों और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी तेज कर दी है। दिल्ली पुलिस ने ईमेल के स्रोत और प्रमाणिकता का पता लगाने के लिए जांच भी शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां इसकी सामग्री की जांच कर रही हैं और खतरे की विश्वसनीयता का आकलन कर रही हैं।

अधिकारियों ने अभी तक खतरे की प्रकृति या तात्कालिकता की पुष्टि नहीं की है, और आगे की जांच जारी है। दोनों राज्यों में एहतियाती उपाय जारी रहने के कारण अधिकारी सतर्क हैं। यह अलर्ट राजस्थान एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड द्वारा बबीता धाकड़ उर्फ. खदीजा नाम की महिला को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। उस पर पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' के सदस्यों के संपर्क में रहने का आरोप है। आरोपी महिला गंगापुर सिटी की रहने वाली थी और जयपुर में रह रही थी।

देश-विरोधी तत्वों से उसके संबंध होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद उसे हिरासत में लिया गया।स उसके मोबाइल फोन की शुरूआती जांच में पता चला कि वह दो सिम कार्ड और एक फेसबुक अकाउंट इस्तेमाल कर रही थी। फेसबुक अकाउंट पर आपत्तिजनक कंटेंट और विदेशी प्रोफाइल के लिंक मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि उसकी फ्रेंड लिस्ट में कई प्रोफाइल पर झंडे, जैश-ए-मोहम्मद और अन्य चरमपंथी संगठनों से जुड़ा प्रोपेगैंडा, और हथियारबंद आतंकियों जैसी तस्वीरें दिखाई दीं।

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय-अनिल मिश्रा के इस्तीफे की हुई आधिकारिक पुष्टि, बैठक में तय होगी अगली भूमिका

नई दिल्ली, 27 जून। राम मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित चोरी के मामले में, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरि ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि राय के इस्तीफे की खबरें पहले ही सामने आ चुकी थीं, लेकिन ट्रस्ट के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह पहली आधिकारिक पुष्टि है। इसके तुरंत बाद, राम मंदिर ट्रस्ट ने भी एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उसे चंपत राय का इस्तीफा मिल गया है। ट्रस्ट ने आगे बताया कि ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं जब अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी की जांच चल रही है। भक्तों के चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम मामले की जांच कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच में दान की गिनती की प्रक्रिया के प्रशासन द्वारा प्रबंधन को लेकर चंपत राय की भूमिका की जांच की जा रही है। हालांकि जांचकर्ताओं ने यह आरोप नहीं लगाया है कि राय ने सीधे तौर पर गिनती या निगरानी कार्यों को संभाला, लेकिन SIT ने कथित तौर पर सवाल उठाया है कि क्या संदिग्ध चोरी के बारे में शिकायतों को वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाए जाने के बावजूद नजरअंदाज कर दिया गया था। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए कई

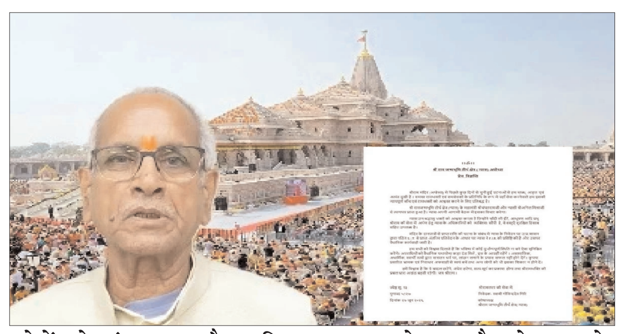

लोगों को चंपत राय और अनिल मिश्रा की सिफारिश पर दान-गिनती के कार्यों में लगाया गया था। रिपोर्ट में पर्याप्त पृष्ठभूमि सत्यापन के बिना कुछ कर्मचारियों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये निष्कर्ष SIT जांच का हिस्सा हैं और अदालत में इनकी पुष्टि नहीं हुई है।

SIT ने 27 अप्रैल से 5 जून के बीच रिकॉर्ड किए गए CCTV फुटेज की जांच की और खबरों के मुताबिक, उन्हें लगभग 70 ऐसी घटनाएं मिलीं जिनमें दान की गिनती करने वाले कर्मचारी करीब 40 दिनों के दौरान कैश चुराते हुए देखे गए। जांच करने वालों का आरोप है कि कुछ आरोपी गिनती केंद्र के अंदर CCTV कैमरों की लोकेशन और 'ब्लाइंड स्पॉट' (जहां कैमरे की नजर नहीं पड़ती) के बारे में जानते थे। जांच के मुताबिक, कथित चोरी के दौरान कभी-कभी कैमरों को बंद कर दिया जाता था या जानबूझकर उनमें रुकावट डाली जाती थी। इस मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से सिर्फ. टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव ही राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी थे, जबकि बाकी आरोपी कथित तौर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े थे, जो मंदिर के दान की गिनती में मदद करता है। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने राम शंकर यादव, उर्फ. टिन्नू यादव की पहचान इस कथित चोरी के मुख्य आरोपी के तौर पर की है।

आरोग्य सेतु 2.0: अब पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड का डिजिटल साथी, 29 जून को होगा लॉन्च

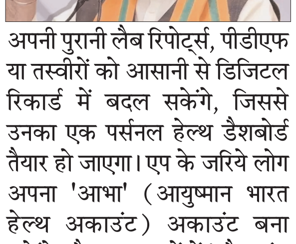

नई दिल्ली। भारत की डिजिटल स्वास्थ्य सेवा में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा 29 जून (सोमवार) को 'आरोग्य सेतु' एप के नए संस्करण (आरोग्य सेतु 2.0) को लांच करेंगे। कोरोना काल में देश को महामारी से बचाने वाला यह कान्टैक्ट-ट्रेसिंग एप अब पूरी तरह बदलकर देशवासियों के लिए 'पर्सनल हेल्थ रिकार्ड' का एक मजबूत और विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफार्म बनने जा रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत यह एप अब देश के लगभग 20 करोड़ उपयोगकताओं को एक ही जगह पर तमाम स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगा। एआई तकनीक से सजेगा सेहत का लेखा-जोखा नए आरोग्य सेतु एप की सबसे बड़ी खासियत इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल है।

इसकी मदद से उपयोगकर्ता अपनी पुरानी लैब रिपोर्ट्स, पीडीएफ या तस्वीरों को आसानी से डिजिटल रिकार्ड में बदल सकेंगे, जिससे उनका एक पर्सनल हेल्थ डैशबोर्ड तैयार हो जाएगा। एप के जरिये लोग अपना 'आभा' (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) अकाउंट बना सकेंगे और अस्पतालों में 'स्कैन एंड शेयर' की सुविधा से मिनटों में डिजिटल रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इसके अलावा, स्मार्टवाच और अन्य वियरेबल डिवाइसेस को एप से जोड़कर दिल की धड़कन, ब्लड ग्लूकोज, कैलोरी और रोजाना के कदमों को भी ट्रैक किया जा सकेगा। एक ही एप में बीमा वालेट और इमरजेंसी सेवाएं इस नए वर्जन में पारदर्शिता का भी पूरा ख्याल रखा गया है।

3 दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी, नेशनल असेंबली को करेंगे संबोधित

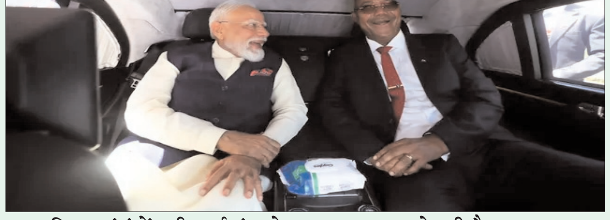

नई दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर पहुंच गए हैं। सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 27 से 29 जून तक यहां रहेंगे और देश के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच 50 वर्षों के राजनयिक संबंधों की वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा से पहले जारी बयान में कहा कि सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी है और विजन महासागर तथा वैश्विक दक्षिण के प्रति साझा प्रतिबद्धता में प्रमुख भागीदार। फरवरी 2026 में राष्ट्रपति हर्मिनी की भारत यात्रा के बाद यह मुलाकात दोनों देशों की स्थायी मित्रता को और मजबूत करेगी।इस दौरान प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनेंगे, जो दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं का प्रतीक है।सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा और समृद्धि की रणनीति का अहम हिस्सा है। यह द्वीपसमूह पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित है, जहां महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग गुजरते हैं। भारत महासागर विजन के तहत सेशेल्स के साथ समुद्री डोमेन अवेयरनेस, एंटी-पायरेसी, ब्लू इकॉनोमी और जलवायु संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहा है।सेशेल्स का बड़ा एक्सक्लूसिव इकॉनोमिक जोन और मछली पालन-पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था भारत के लिए ब्लू इकॉनॉमी साझेदारी का अवसर प्रदान करती है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

-ललित गर्ग

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ह्यनाह्न कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित ह्यलव जिहादह्न जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मयार्दाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

जम्मू कश्मीर में जनभागीदारी से मजबूत होती सुरक्षा

- महेन्द्र तिवारी

जम्मू कश्मीर लंबे समय से आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पार से प्रायोजित हिंसा जैसी चुनौतियों का सामना करता आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों ने अनेक सफल अभियान चलाकर आतंकवादी ढांचे को कमजोर किया है, लेकिन दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, घने जंगलों और सीमावर्ती गांवों में समय-समय पर आतंकवादी गतिविधियां सामने आती रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में केवल सुरक्षा बलों की मौजूदगी पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। इसी सोच को आधार बनाकर ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत ग्रामीण सुरक्षा दलों को आधुनिक प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने गांवों की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार बनाया जा रहा है। हाल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हथियार संचालन, निशानेबाजी, बुनियादी युद्धाभ्यास, सतर्कता और सुरक्षा बलों के साथ समन्वय पर विशेष जोर दिया गया है।

ग्रामीण सुरक्षा दलों की अवधारणा नई नहीं है। अतीत में भी आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को आत्मरक्षा और गांवों की सुरक्षा के लिए संगठित किया गया था। समय के साथ सुरक्षा चुनौतियों का स्वरूप बदला तो इन दलों की भूमिका भी अधिक व्यवस्थित होती गई। आज इनका उद्देश्य किसी नियमित सैन्य बल का स्थान लेना नहीं है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों के सहयोगी के रूप में कार्य करना है। स्थानीय निवासी अपने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, रास्तों, जंगलों, पहाड़ियों और सामाजिक गतिविधियों से भलीभांति परिचित होते हैं। यही जानकारी किसी भी संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होती है।

हाल के महीनों में जम्मू क्षेत्र के कई संवेदनशील इलाकों में सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में ग्रामीणों को हथियारों के सुरक्षित उपयोग, निशानेबाजी, बंकरों के उपयोग, गश्त के दौरान सावधानियों, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया तथा सुरक्षा बलों के साथ संपर्क बनाए रखने का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों तक पहुंचे और आवश्यकता पड़ने पर प्रारंभिक स्तर पर गांव की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस अभियान की सबसे उल्लेखनीय विशेषता महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। पहले सुरक्षा संबंधी गतिविधियों में पुरुषों की संख्या अधिक होती थी, लेकिन अब अनेक गांवों में महिलाएं भी उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें हथियारों के सुरक्षित संचालन, चौकसी, सूचना संग्रह, संकट की स्थिति में परिवारों की सुरक्षा और स्थानीय समन्वय की शिक्षा दी जा रही है। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और समाज में सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत हुई है। कई स्थानों पर महिलाओं ने यह संदेश दिया है कि गांव की सुरक्षा केवल पुरुषों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का दायित्व है।

सीमावर्ती और दूरदराज के गांवों की परिस्थितियां सामान्य क्षेत्रों से भिन्न होती हैं। यहां कई बार सुरक्षा बलों को कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में समय लग सकता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित ग्रामीण प्रारंभिक सतर्कता बनाए रखने, लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने का कार्य कर सकते हैं। इससे सुरक्षा बलों को भी अधिक सटीक और समय पर जानकारी मिलती है, जिससे अभियान अधिक प्रभावी बनते हैं।

सरकार द्वारा ग्रामीण सुरक्षा दलों को बेहतर हथियार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। पहले जहां कई स्थानों पर पुराने हथियार उपलब्ध थे, वहीं अब आधुनिक स्वचालित क्षमता वाले हथियार और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इससे ग्रामीणों का मनोबल बढ़ा है और उन्हें यह विश्वास मिला है कि सरकार उनकी सुरक्षा संबंधी भूमिका को गंभीरता से ले रही है। हालांकि हथियारों का उपयोग निर्धारित नियमों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन में ही किया जाता है।

प्रशिक्षण केवल हथियार चलाने तक सीमित नहीं रहता। इसमें अनुशासन, संयम, कानूनी दायित्व, नागरिकों की सुरक्षा, सूचना की गोपनीयता और संकट प्रबंधन जैसे विषय भी शामिल किए जाते हैं। प्रशिक्षकों द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के प्रति कार्रवाई का अंतिम अधिकार सुरक्षा एजेंसियों के पास होता है। ग्रामीणों की भूमिका मुख्य रूप से सतर्कता, सूचना और आत्मरक्षा तक सीमित रहती है। इससे कानून व्यवस्था और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है।

आतंकवाद का उद्देश्य केवल हिंसा फैलाना नहीं होता बल्कि लोगों के मन में भय पैदा करना भी होता है। जब किसी गांव के लोग स्वयं संगठित होकर सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करते हैं तो आतंकवादियों के लिए स्थानीय समर्थन प्राप्त करना कठिन हो जाता है। ग्रामीणों की सतर्कता के कारण संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जल्दी मिलती है और सुरक्षा बल समय रहते कार्रवाई कर सकते हैं। यही कारण है कि सुरक्षा विशेषज्ञ सामुदायिक भागीदारी को आतंकवाद विरोधी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

जम्मू कश्मीर के अनेक गांव ऐसे हैं जहां लोगों ने वर्षों तक आतंकवाद का दंश झेला है। कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है और लंबे समय तक भय के वातावरण में जीवन बिताया है। इसलिए जब सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय लोगों को सम्मानजनक भागीदारी का अवसर मिलता है तो उनमें आत्मविश्वास का नया संचार होता है। यह भावना केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहती बल्कि सामाजिक एकता और विकास को भी प्रोत्साहित करती है।

स्थानीय युवाओं की भागीदारी भी इस अभियान की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। प्रशिक्षित युवा अपने गांवों में जागरूकता फैलाते हैं, लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह देते हैं और सुरक्षा एजेंसियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखते हैं। इससे गलत सूचनाओं के प्रसार पर भी नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। आधुनिक समय में सामाजिक माध्यमों के जरिए फैलने वाली अफवाहें भी सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकती हैं, इसलिए सूचना की सत्यता पर विशेष बल दिया जाता है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केवल हथियार पर्याप्त नहीं होते। सड़क, संचार, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रोजगार जैसी सुविधाएं भी उतनी ही आवश्यक हैं। जिन क्षेत्रों में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ते हैं वहां युवाओं के सामने सकारात्मक अवसर बढ़ते हैं और हिंसा का प्रभाव अपेक्षाकृत कम होता है। इसलिए सुरक्षा और विकास को एक दूसरे का पूरक माना जाता है। जब गांवों में शिक्षा, रोजगार और आधारभूत सुविधाएं बेहतर होती हैं तो समाज अधिक स्थिर और आत्मविश्वासी बनता है।

इस पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा बलों और स्थानीय नागरिकों के बीच विश्वास का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण है। नियमित संवाद, प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास से यह विश्वास मजबूत होता है। ग्रामीण जब यह अनुभव करते हैं कि उनकी बात सुनी जा रही है और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, तब वे भी अधिक सक्रिय होकर सहयोग करते हैं। इसी सहयोग के कारण कई बार महत्वपूर्ण सूचनाएं समय रहते प्राप्त हो जाती हैं, जो बड़े हमलों को रोकने में सहायक बनती हैं।

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवाद से मुकाबला केवल सैन्य शक्ति के बल पर नहीं जीता जा सकता। इसके लिए स्थानीय समाज का विश्वास, प्रशासन की सक्रियता, विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय भी समान रूप से आवश्यक है। ग्रामीण सुरक्षा दल इसी व्यापक रणनीति का एक महत्वपूर्ण भाग हैं। इनकी भूमिका सुरक्षा बलों के पूरक के रूप में है, न कि उनके विकल्प के रूप में।

भविष्य की दृष्टि से यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे सीमांत क्षेत्रों में आत्मनिर्भर सुरक्षा संस्कृति विकसित हो सकती है। यदि प्रशिक्षण नियमित रूप से जारी रहे, उपकरणों का रखरखाव सुनिश्चित हो, सूचना तंत्र मजबूत बनाया जाए और नागरिकों के अधिकारों का पूरा सम्मान किया जाए तो यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही समय-समय पर प्रशिक्षण का पुनरावलोकन और नई चुनौतियों के अनुरूप सुधार भी आवश्यक होंगे।

जम्मू कश्मीर की सुरक्षा केवल सीमा की रक्षा का प्रश्न नहीं है बल्कि वहां रहने वाले लाखों नागरिकों के सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा विषय है। जब गांवों के लोग स्वयं अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक होते हैं, महिलाएं समान उत्साह से आगे आती हैं, युवा जिम्मेदारी निभाते हैं और सुरक्षा बल उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं, तब आतंकवाद के लिए अपनी जड़ें मजबूत करना कठिन हो जाता है। यही कारण है कि ग्रामीण सुरक्षा दलों का यह अभियान केवल एक सुरक्षा कार्यक्रम नहीं बल्कि जनभागीदारी, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकजुटता का भी सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में यह पहल इस बात का संकेत है कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल बंदूक का नहीं बल्कि जागरूक समाज, मजबूत विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी का भी संघर्ष है। यही सामूहिक शक्ति भविष्य में जम्मू कश्मीर के सीमांत क्षेत्रों को अधिक सुरक्षित, अधिक आत्मविश्वासी और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

काँपी धरती, टूटी ज़िंदगियाँ

वेनेजुएला का भूकंप: मानवीय त्रासदी और आपदा-तैयारी की वैश्विक चेतावनी

-डॉ. प्रियंका सौरभ

-प्रियंका सौरभ

प्रकृति जब अपना रौद्र रूप दिखाती है, तब वह मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियों, आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक दावों की वास्तविक परीक्षा लेती है। वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि कुछ ही क्षणों में वर्षों की मेहनत, सपने और सुरक्षित जीवन का भ्रम मलबे में बदल सकता है। धरती के कुछ सेकंड के कंपन ने न केवल इमारतों को गिराया, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीदों, आजीविकाओं और भविष्य को भी गहरे संकट में डाल दिया। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ केवल भूगर्भीय घटनाएँ नहीं होतीं; वे किसी राष्ट्र की तैयारी, शासन-व्यवस्था, सामाजिक संरचना और मानवीय संवेदनशीलता की भी परीक्षा होती हैं। मलबे में दबे लोगों की पुकार, अपने परिजनों को खोजते परिवार, अस्पतालों में उपचार की प्रतीक्षा करते घायल, राहत शिविरों में अस्थायी जीवन और भय के साये में बीतती रातें यह बताती हैं कि आपदा का वास्तविक दर्द आँकड़ों से कहीं अधिक गहरा होता है।

वेनेजुएला पहले से ही आर्थिक चुनौतियों, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक दबावों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में आई यह प्राकृतिक आपदा केवल भौतिक विनाश तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था, परिवहन, बिजली, पेयजल और राहत प्रणाली पर भी अतिरिक्त बोझ डालती है। यही कारण है कि किसी भी आपदा का प्रभाव उस समाज में अधिक व्यापक होता है, जहाँ बुनियादी ढाँचा पहले से ही कमजोर हो। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आपदाएँ सभी लोगों को समान रूप से प्रभावित नहीं करतीं। सुरक्षित और मजबूत भवनों में रहने वाले लोग अपेक्षाकृत कम नुकसान झेलते हैं, जबकि कमजोर निर्माण, अनियोजित बस्तियाँ और सीमित संसाधनों वाले परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। गरीब, श्रमिक, महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक आपदा की सबसे बड़ी कीमत चुकाते हैं। इसलिए प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी चेहरा बन जाती है।

यहीं से शहरी नियोजन का महत्व सामने आता है। यदि शहरों का विकास वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप हो, भवनों का निर्माण भूकंपरोधी तकनीकों से किया जाए, खुले सुरक्षित स्थान उपलब्ध हों, आपातकालीन निकासी मार्ग विकसित किए जाएँ और अस्पतालों को आपदा-तैयार बनाया जाए, तो जान-माल की हानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्य से अनेक देशों में भवन निर्माण नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और कमजोर निगरानी ऐसी त्रासदियों को और भयावह बना देते हैं। भूकंप के बाद के शुरूआती 72 घंटे सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यही वह समय होता है जब मलबे में दबे लोगों को जीवित निकालने की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसलिए राहत एवं बचाव कार्यों की गति, समन्वय और दक्षता ही अनेक लोगों के जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। बचाव दल, चिकित्सक, अग्निशमन कर्मी, सेना, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन इस कठिन समय में आशा की सबसे बड़ी किरण बनते हैं।

राहत कार्य केवल भोजन और दवाइयाँ पहुँचाने तक सीमित नहीं होते। अस्थायी आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की आवश्यकताओं तथा संचार सेवाओं की बहाली भी समान रूप से आवश्यक होती है। किसी भी आपदा का वास्तविक पुनर्वास तभी संभव होता है जब प्रभावित लोगों को केवल जीवित रहने का सहारा ही नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन फिर से शुरू करने का अवसर भी मिले।

ऐसी त्रासदियाँ शासन की विश्वसनीयता की भी परीक्षा लेती हैं। जनता यह देखती है कि संकट की घड़ी में सरकार कितनी शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से कार्य करती है। स्पष्ट सूचना, त्वरित निर्णय, संसाधनों का समुचित वितरण और प्रशासनिक समन्वय लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं। इसके विपरीत, यदि शुरूआती घंटों में भ्रम, विलंब या सूचना का अभाव हो, तो संकट और अधिक गहरा जाता है।

आज आपदा-प्रबंधन केवल राहत कार्यों तक सीमित अवधारणा नहीं रह गया है। आधुनिक दृष्टिकोण इस बात पर बल देता है कि आपदा आने से पहले तैयारी सबसे बड़ा बचाव है। विद्यालयों, कार्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, स्थानीय स्वयंसेवी नेटवर्क, समय पर चेतावनी प्रणाली और जन-जागरूकता कार्यक्रम हजारों लोगों का जीवन बचा सकते हैं। नागरिकों को यह जानकारी होना कि भूकंप के समय क्या करना है और क्या नहीं करना है, किसी भी तकनीकी व्यवस्था जितना ही महत्वपूर्ण है। इस त्रासदी का एक वैश्विक पक्ष भी है। प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रीय सीमाएँ नहीं देखतीं। जब किसी देश की क्षमता सीमित पड़ जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग मानवता का सबसे मजबूत आधार बनता है। राहत सामग्री, चिकित्सा दल, खोज एवं बचाव विशेषज्ञ, तकनीकी सहायता, अस्थायी आश्रय और पुनर्निर्माण सहयोग जैसे प्रयास वैश्विक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। यह वह समय होता है जब राजनीति से अधिक मानवता की आवश्यकता होती है।

जलवायु परिवर्तन और तीव्र शहरीकरण के इस दौर में दुनिया के अधिकांश देश किसी न किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा के जोखिम का सामना कर रहे हैं। भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसके विनाशकारी प्रभाव को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, मजबूत अधोसंरचना, कठोर भवन मानक, सतत शहरी नियोजन और प्रभावी आपदा-प्रबंधन प्रणाली आवश्यक है। वेनेजुएला की यह त्रासदी विश्व समुदाय के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है। हमें यह समझना होगा कि सुरक्षित समाज केवल आर्थिक विकास से नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी नीतियों, मजबूत संस्थाओं, वैज्ञानिक सोच और नागरिक सहभागिता से निर्मित होते हैं। विकास तभी सार्थक है जब वह संकट की घड़ी में लोगों के जीवन की रक्षा कर सके। अंततः, किसी भी भूकंप की सबसे बड़ी सीख यही है कि प्रकृति के सामने मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका विज्ञान, उसका संगठन और उसकी संवेदना है। राहत, पुनर्वास, सुरक्षित निर्माण, आपदा-तैयारी और सामाजिक एकजुटता—ये पाँच स्तंभ भविष्य की त्रासदियों को कम करने की दिशा में सबसे प्रभावी उपाय हैं।

वेनेजुएला की पीड़ा केवल एक देश की पीड़ा नहीं है; यह पूरी मानवता के लिए चेतावनी है कि आपदाएँ अचानक आती हैं, लेकिन उनसे होने वाली क्षति हमारी तैयारी तय करती है। इसलिए आवश्यक है कि हम हर त्रासदी को केवल समाचार बनाकर न छोड़ दें, बल्कि उसे भविष्य को सुरक्षित बनाने की प्रेरणा में बदलें। यही इस दुखद घटना के प्रति सच्ची संवेदना और सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते है, केंद्रीय शिक्षामंत्री

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

भारत जैसे प्रजातंत्रिक देश में जवाबदेही का महत्वपूर्ण स्थान हैं। लोक सेवक जनता कि सेवा के लिए होता हैं, उसके नैतृत्व में संबंधित विभाग द्वारा किये गए अच्छे कार्य स्वयं एवं सरकार कि वाहवाही एवं सराहना का कारण बनते हैं। इसके उलट लोक सेवक के नैतृत्व में कि जाने वाली विभागीय गलतियां, त्रुटियां स्वयं एवं सरकार कि आलोचना का कारण बनती हैं। नीट परीक्षा पेपर लिक के बाद से देश में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कि जा रही हैं। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लिक के बाद उत्पन्न अत्यधिक मानसिक तनाव, हताशा के कारण देश भर में 12 से 16 के करीब छात्रों द्वारा खुदकुशी करने कि खबर सामने आई हैं। प्रजातंत्र में जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। कोई इससे बच नहीं सकता हैं। एक स्कुल का प्राचार्य परीक्षा परिणाम बिगड़ने पर उत्तरदायी माना जाता हैं, जबकि प्राचार्य स्कुल का प्रबंधक होता हैं, उस पर शिक्षकीय दायित्व कम ही होता हैं, किंतु संस्था प्रमुख होने के कारण जिम्मेदारी प्राचार्य कि मानी जाती हैं।

इस प्रकार भारत सरकार के शिक्षामंत्री पर भी सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही का सिद्धांत लागू होता हैं। इसी जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को पालन करवाए जाने कि मांग को लेकर नवनिर्मित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले पहले तो देश के बड़े शहरों में फिर देश कि राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस विषय पर देश भर में आंदोलन चला रखा हैं।केंद्र सरकार इस विषय पर खामोश नजर आ रही हैं। इस प्रकार आंदोलनकारियों कि अनदेखी

करना देश कि वर्तमान सरकार कि आदत में शुमार हो गया हैं। सरकार को देश के भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना उचित लग रहा हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल किये जा रहे हैं। सरकार कि और से इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं हैं। 3 मई को आयोजित परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद रद्द किया गया। इसके बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के बाद टीवी चैनल को दिए अपने साक्षात्कार में देश केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने री-नीट के सफल आयोजन को उपलब्धि मानते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और लिक प्रूफ माना। उन्होंने री-नीट के सफल आयोजन के लिए सहयोगी एवं सरकार कि खुले मन से तारीफ कि इसी साक्षात्कार में उन्होंने राहुल गांधी पर देश के छात्रों को गुमराह करने का आरोप और काकरोच जनता पार्टी को उन्होंने देश को बाटने वाली इ टीम बताते हुए कहा जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं वह जंतर-मंतर पर डपली बजा रहे हैं। देश इसकी समीक्षा कर रहा हैं।

देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लिक के बाद दिए अपने साक्षात्कार में जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन को राष्ट्रविरोधी बताना उचित नहीं हैं। अपने विचार से विपरीत विचार को देश के टुकड़े करने वाला, राष्ट्र विरोधी विचार बताना एक फैशन हो गया हैं। प्रधान ने उसी फैशनेबल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लबरेज दिखाई दे रहे हैं।

जंतर-मंतर पर सबसे अधिक गूंज केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्याग-पत्र को लेकर सुनाई दे रही हैं। वही शिक्षामंत्री जो 21 जून कि री-नीट परीक्षा को सफल मानकर सामूहिक उत्तरदायित्व और जबवाबदेही के साथ सरकार कि पिट थपथपा रहे हैं। उन्हें 3 मई को नीट पेपर लिक सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही के सिद्धांत से परे करते दिखाई देता हैं। गड़बड़िया हुई हैं, तो देश शिक्षामंत्री उसके लिए उत्तरदायी भी है। उन्हें पेपर लिक काण्ड के बाद तत्काल अपना अपने पद से त्याग-पत्र देकर देश कि जनता से माफी मागना चाहिए थी। किंतु शायद ऐसा करने का साहस उनमे नहीं है। देश समीक्षा कर रहा है, आपकी सफलता और विफलता कि भी, सामूहिक उत्तरदायित्व और जवाबदेही के सिद्धांतो के पालन में सफलता और विफलता के दौरान अंतर करने के मामले में भी और देश यह भी समीक्षा कर रहा है कि देश के युवा जो शिक्षा व्यवस्था में खामियों को लेकर अपने भविष्य कि चिंता को लेकर झंडा उठा रहे है, उन्हें राष्ट्र विरोधी बताया जा रहा है। प्रजातंत्र में सत्ता पक्ष के खिलाफ उठने वाली हर आवाज राष्ट्र विरोधी नहीं होती, यह आवाजे भी राष्ट्र निर्माण कि आवाजे है। जंतर-मंतर दिल्ली में है। देश कि राजनैतिक पार्टियां भी भारत के प्रजातंत्र कि देन है। यह पार्टियां भी उतनी ही राष्ट्रीय है, जितनी देश कि सता में काबिज दल, इनका सोच भी बेहतर राष्ट्र का निर्माण है। केंद्र सरकार को चाहिए देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते देश के केंद्रीय शिक्षामंत्री इन्हे बदला भी जा सकता है। नीट पेपर लिक मामला सामुदायिक उत्तर दायित्व और जवाबदेही का विषय है।

भक्ति का महासागर मीरा भायंदर बना पंढरी जरीमरी तालाब के किनारे 51 फीट ऊंची भव्य विठ्ठल प्रतिमा का लोकार्पण समारोह संपन्न

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा में जय हरी विठ्ठल के जयघोष तथा ताल-मृदंग की मधुर ध्वनियों से आज पूरा मीरा भायंदर शहर गूंज उठा। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालकमंत्री और मीरा भायंदर शहर के जनप्रतिनिधि प्रताप सरनाईक की भक्तिमय संकल्पना से काशीमीरा स्थित ऐतिहासिक जरीमरी तालाब परिसर में स्थापित 51 फीट ऊंची भव्य श्री विठ्ठल प्रतिमा के लोकार्पण समारोह का। निर्जला एकादशी के अत्यंत पावन और दिव्य मुहूर्त पर यह समारोह अभूतपूर्व, अलौकिक और भक्तिभाव से ओत-प्रोत वातावरण में संपन्न हुआ। अनेक विठ्ठल भक्तों और वारकरी श्रद्धालुओं के लिए बढ़ती आयु अथवा अन्य कारणों से हर बार पंढरपुर की वारी करना संभव नहीं हो पाता। ऐसे सभी श्रद्धालुओं की मन की पुकार को पहचानते हुए ₹जहां भाव, वहां भगवान₹ की भावना के अनुरूप, अपने आराध्य विठ्ठल को मीरा भायंदर में ही लाने का संकल्प मंत्री प्रताप सरनाईक ने लिया था। इससे पहले नवघर तालाब परिसर में तथा अब काशीमीरा के जरीमरी तालाब किनारे स्थापित यह 51 फीट ऊंची भव्य श्री विठ्ठल प्रतिमा समस्त मीरा भायंदर वासियों के लिए मानो धरती पर वैकुंठ के समान बन गई है।

पिछले 18 वर्षों से मंत्री प्रताप सरनाईक का वारकरी संप्रदाय तथा काशीमीरा क्षेत्र के श्रद्धालुओं के प्रति विशेष स्नेह रहा है। जब-जब वारकरियों ने कोई मांग रखी, तब-तब उन्होंने उन्हें भरपूर सहयोग प्रदान किया है। अखंड हरिनाम सप्ताह के आयोजन से लेकर दैनिक हरिपाठ के लिए सहायता, बच्चों में संस्कार विकसित करने हेतु कीर्तन-प्रवचन कक्षाएं और वारकरी शिक्षण संस्थाएं, प्रत्येक एकादशी को कीर्तन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'वारकरी भवन', भजन सामग्री उपलब्ध कराना अथवा समाज मंदिरों पर स्वयं के खर्च से टीन शेड का निर्माण करना—इन सभी कार्यों में मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्वयं उपस्थित रहकर उदारतापूर्वक आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया है। इसी भक्ति की अगली कड़ी के रूप में, वारकरियों की मांग का सम्मान करते हुए उन्होंने यह 51 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित कर विठ्ठल भक्तों के आनंद को दोगुना कर दिया है। काशीमीरा स्थित जरीमरी माता के पावन मंदिर परिसर में वारकरी भजन मंडलों के मधुर अभंग, ताल-मृदंग की गूंज और विठ्ठल के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया था। वहीं, आकाश में हुई मनमोहक आतिशबाजी ने इस समारोह की भव्यता को और भी बढ़ा दिया। विठ्ठल माऊली के इस मनोहारी स्वरूप को निहारते हुए अनेक श्रद्धालुओं की आंखें आनंदाश्रुओं से भर आईं। इस ऐतिहासिक एवं मंगलमय अवसर पर संपूर्ण शिवसेना परिवार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी तथा हजारों विठ्ठल भक्त अत्यंत उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ उपस्थित थे। मीरा भायंदर की गौरवगाथा में वृद्धि करने वाला यह विठ्ठल स्वरूप आने वाली अनेक पीढ़ियों को भक्ति और ऊर्जा की प्रेरणा देता रहेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

सर्जिकल रोबोटिक्स में भारत का डंका

मुंबई। भारत के मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण में, एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल को 'सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री अवाड्र्स 2026' में 'आउटस्टैंडिंग कंपनी' (उत्कृष्ट कंपनी) के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सर्जिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, जिसे हासिल करने वाली यह पहली भारतीय कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि कंपनी के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध सर्जिकल रोबोटिक्स इनोवेटर्स और मेडिकल टेक्नोलॉजी की दिग्गज कंपनियों—जैसे कि इंट्यूटिव, मेडट्रोनिक, जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक, डिस्टलमोशन, मेरिल, माइक्रोपोर्ट, थिंक सर्जिकल, फुटेक और प्रिसिजन आईओ ग्रुप—के कड़े मुकाबले के बीच एसएस इनोवेशंस को चुना गया। यह जीत वैश्विक सर्जिकल रोबोटिक्स के परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति के रूप में इसके उभरने की पुष्टि करती है।

अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुके सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री अवाड्र्स को सर्जिकल रोबोटिक्स में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले दुनिया के सबसे सम्मानित सम्मानों में से एक माना जाता है। सर्जिकल रोबोटिक्स इकोसिस्टम पर केंद्रित दुनिया के अग्रणी न्यूज और इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म 'सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी द्वारा 'क्यूएनएक्स' के सहयोग से आयोजित यह पुरस्कार उन संगठनों, तकनीकों और उद्योगपतियों को सम्मानित करता है जो रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। यह वार्षिक पुरस्कार वैश्विक स्तर पर नवाचार, क्लिनिकल प्रभाव, तकनीकी नेतृत्व और व्यावसायिक सफलता में उत्कृष्टता की सराहना करता है। साल 2026 के विजेता उन बेहद प्रभावशाली संगठनों और लीडर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं जो रोबोटिक सर्जरी के भविष्य को आकार दे रहे हैं। मेडटेक और सर्जिकल रोबोटिक्स में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए स्टीव बेल को 'इंडस्ट्री लीडरशिप' पुरस्कार से नवाजा गया। माइक्रोबॉट मेडिकल को 'इन्नोवेटिव स्टार्ट-अप' के रूप में मान्यता मिली। सेंटेंटे ने अपने सेंटेंटे रोबोटिक सिस्टम के लिए 'ग्राउंडब्रेकिंग टेक्नोलॉजी' का पुरस्कार जीता। मून सर्जिकल को 'मैस्ट्रो इनसाइट्स' के लिए 'सॉफ्टवेयर इन्नोवेशन' पुरस्कार मिला, जबकि कोहेन ऑर्थोपेडिक के डॉ. ब्रायन कोहेन को 'आउटस्टैंडिंग हेल्थकेयर प्रोवाइडर' के रूप में सम्मानित किया गया। ये सभी विजेता मिलकर वैश्विक सर्जिकल रोबोटिक्स इकोसिस्टम में नवाचार और उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को दशार्ते हैं, जिसमें एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल ने सबसे प्रतिष्ठित 'आउटस्टैंडिंग कंपनी' का खिताब अपने नाम किया।

इस सम्मान पर बात करते हुए एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल के संस्थापक अध्यक्ष और सीईओ, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, ₹एसआरटी इंडस्ट्री अवाड्र्स में 'आउटस्टैंडिंग कंपनी' का पुरस्कार जीतना एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल और भारत के लिए गर्व का क्षण है। यह मान्यता विश्व स्तरीय सर्जिकल रोबोटिक तकनीकों को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता पर मुहर लगाती है, जो आधुनिक होने के साथ-साथ सुलभ और किफायती भी हैं। यह हमें अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से सर्जिकल केयर को बदलने और दुनिया भर में रोबोटिक सर्जरी की पहुंच का विस्तार करने के हमारे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल ने अपने प्रमुख 'एसएसआई मंत्रा' सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से सर्जिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ते इनोवेटर्स में से एक के रूप में खुद को स्थापित किया है। रोबोटिक सर्जरी को आम लोगों तक पहुँचाने के दृष्टिकोण के साथ भारत में विकसित इस सिस्टम ने उन्नत और कम चीर-फाड़ वाली प्रक्रियाओं को सक्षम बनाया है।

सत्ता और धनबल के सहारे आदिवासियों की लूट; विधायक नरेंद्र मेहता की '7/11' कंपनी ने हड़पी आदिवासियों की जमीन

◆स्वतंत्र जांच समिति की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे; फर्जी बैंक खाते खोलकर धन की हेराफेरी करने का पीड़ित परिवारों का आरोप

◆5 करोड़ रुपये के आयकर नोटिस से आदिवासी परिवार संकट में; एक परिवार के लापता होने की आशंका से सनसनी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में प्राकृतिक और मानवीय संकटों का सामना कर रहे भूमिपुत्र आदिवासियों को अब राजनीतिक दबाव और कॉरपोरेट ताकत का भी शिकार होना पड़ रहा है। मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र के मौजे वसार्वे स्थित गरीब आदिवासी परिवारों की जमीन कथित रूप से अवैध तरीके से और नियमों की अनदेखी करते हुए भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता की स्वामित्व वाली '7/11' कंपनी द्वारा हड़प लिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। ठाणे के जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल द्वारा राज्य सरकार को सौंपी गई विशेष जांच समिति की रिपोर्ट में इस भूमि घोटाले की पुष्टि किए जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में विधायक नरेंद्र मेहता की कंपनी की प्रत्यक्ष भूमिका होने की बात कही गई है। इस पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति और पीड़ित आदिवासी परिवारों की व्यथा को सामने लाने के लिए आज महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने

पीड़ित आदिवासी परिवारों के साथ एक विशेष पत्रकार परिषद आयोजित की। इस दौरान मंत्री ने कथित रूप से सत्ताधारियों और भूमाफियाओं द्वारा किए गए अत्याचारों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जांच समिति की रिपोर्ट में सामने आईं चौंकाने वाली बातें मीरा भायंदर के मौजे वसार्वे स्थित विभिन्न गट नंबरों की आदिवासी जमीनों को गैर-आदिवासी व्यक्तियों और निजी कंपनियों द्वारा अवैध रूप से हस्तांतरित किए जाने की शिकायत संतोष चौधरी, विनायक माली और निर्मला नाइक नामक पीड़ित आदिवासियों ने राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से की थी। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राजस्व मंत्री के निदेर्शानुसार ठाणे जिलाधिकारी ने एक स्वतंत्र जांच समिति का गठन किया था। समिति द्वारा प्रस्तुत आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, आदिवासियों की जमीनों को गैर-आदिवासी व्यक्तियों अथवा कंपनियों के नाम हस्तांतरित करते समय कानून के प्रावधानों और निर्धारित नियमों का गंभीर उल्लंघन किया गया। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित जमीनों पर विधायक नरेंद्र मेहता की '7/11' कंपनी तथा कंपनी के निदेशक प्रशांत केलुस्कर और संजय सुर्वे ने कथित रूप से अवैध कब्जा किया है। फर्जी बैंक खाते, धमकियां और 5 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस पत्रकार परिषद में उपस्थित पीड़ित आदिवासी परिवारों ने भावुक होकर अपने साथ हुए कथित अन्याय की जानकारी दी। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें उनकी जमीन का एक भी रुपया मुआवजा नहीं मिला। उनका कहना है कि विधायक नरेंद्र मेहता और उनके सहयोगियों ने उनके नाम पर फर्जी बैंक खाते खोलकर पैसों की हेराफेरी की। पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे अपनी जमीन पर जाते हैं तो उन्हें धमकाकर वहां से भगा दिया जाता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन गरीब आदिवासियों को अपनी जमीन का मुआवजा तक नहीं मिला, उनके नाम पर करोड़ों रुपये के लेन-देन दर्शाकर आयकर विभाग की ओर से उन्हें 5 करोड़ रुपये तक के नोटिस जारी किए गए हैं। राजस्व और आयकर संबंधी कार्रवाई के कारण ये परिवार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। एक आदिवासी परिवार लापता; कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल प्राथमिक जानकारी के अनुसार, इस मामले में आवाज उठाने वाले आदिवासी शिकायतकताओं में से एक परिवार संदिग्ध परिस्थितियों में लापता बताया जा रहा है।

नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किए गए डॉ. किशोर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। निर्भय फाउंडेशन द्वारा मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह के उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों को देखते हुए उन्हें नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पश्चिमी उपनगर में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा दहेज प्रथा को खत्म करने की दिशा में किए गए प्रयासों को देखते हुए प्रदान किया गया। उन्हें यह अवार्ड मीरा रोड स्थित भारत रत्न लता मंगेशकर सभागृह मैं आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रदान किया गया। डॉ किशोर सिंह को यह पुरस्कार दिए जाने पर अनेक सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा सेंट फ्रांसिस स्कूल में इंटरैक्ट क्लब गठन को लेकर बैठक आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर क्षेत्र अंतर्गत गुंदले स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सेंट फ्रांसिस स्कूल में शनिवार 27 जून 2026 को रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के तत्वावधान में विद्यालय में इंटरैक्ट क्लब के गठन एवं उसकी भावी क्रियाकलापों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल रहीं।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के अध्यक्ष राम नारायण गोयल, वर्ष 2026-27 के रीगल प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य तथा यूथ सर्विस डायरेक्टर एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. पराग कुलकर्णी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय की मैनेजर सिस्टर ह्यूगो ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन विद्यालय की समन्वयक हेमंती गांगुली ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. पराग कुलकर्णी ने विद्यार्थियों को रोटरी एवं इंटरैक्ट क्लब के उद्देश्यों, सेवा कार्यों, नेतृत्व विकास, अनुशासन,

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा युवा सहभागिता के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटरैक्ट क्लब विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, व्यक्तित्व विकास एवं समाज के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का एक सशक्त मंच है। इस अवसर पर अध्यक्ष राम नारायण गोयल एवं रीगल प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने तथा सामाजिक एवं मानवीय सेवा गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। बैठक के दौरान विद्यालय प्रबंधन एवं रोटरी पदाधिकारियों के बीच इंटरैक्ट क्लब के गठन तथा उसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान जागरूकता, आपदा प्रबंधन जागरूकता सहित विभिन्न सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के नियमित आयोजन पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी की सहमति से विद्यालय में शीघ्र ही इंटरैक्ट क्लब की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की मैनेजर सिस्टर ह्यूगो ने सभी अतिथियों व उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात अतिथियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

मरोल के सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग, नगरसेवक रितेश राय ने अतिरिक्त आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व विधानसभा वार्ड क्रमांक 86 के शिवसेना नगरसेवक रितेश कमलेश राय ने मरोल नाका से हवाई अड्डे को जोड़ने वाली चिमटपाड़ा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त (आईएएस) अभिजीत बांगर को औपचारिक ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना उपनेता कमलेश राय के मार्गदर्शन मे नगरसेवक रितेश राय ने मनपा को दिए ज्ञापन में बताया गया है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए हाल ही में किए गए निमार्णों के ध्वस्तीकरण के कारण सड़क और नाले की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। बारिश के दौरान सड़क पर

भारी जलभराव हो रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों, यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मारोल नाका से एयरपोर्ट को जोड़ने वाला यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रतिदिन हजारों लोग इसका उपयोग करते हैं। ऐसे में नागरिकों की सुरक्षा तथा आपातकालीन सेवाओं के सुचारु आवागमन को ध्यान में रखते हुए सड़क पर तत्काल सिंगल-कोट सरफेसिंग और आवश्यक मरम्मत कार्य करने की मांग की गई है।

नगरसेवक रितेश कमलेश राय ने प्रशासन से अपील की कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह उत्साहपूर्वक सम्पन्न

योग गुरु राधेश्याम जयसवार के नेतृत्व में नि:शुल्क योग कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित

म ुबाई (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून से पूरे सप्ताह मुंबई में योगमय सप्ताह का आयोजन किया गया। यह भव्य आयोजन द ह्यूमन योगा फाउंडेशन, वरली मुंबई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता योग गुरु राधेश्याम जयसवार के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग को जन-जन तक निःशुल्क व सरल रूप में पहुँचाना रहा। बतादें कि योग गुरु राधेश्याम पिछले लगभग 15 वर्षों से मेरा युवा भारत के बैनर तले निरंतर निःशुल्क योग शिविरों का संचालन कर रहे हैं। इस वर्ष भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को केवल एक दिन तक सीमित न रखते हुए पूरे सप्ताह विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन कर इसे जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। सप्ताहभर चले इस अभियान के अंतर्गत मुंबई के कई प्रमुख स्थानों पर योग सत्र आयोजित किये गये। मुंबई पुलिस मुख्यालय, वरली में पुलिस उपायुक्त परदेशी साहब, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक डॉ. विष्णु पारकर, पवार साहब सहित लगभग 250 पुलिसकर्मियों ने योग प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीएमसी अंबेडकर स्कूल में लगभग ढाई सौ बच्चों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। ग्लोब मिल पैसेज बीएमसी स्कूल में हर वर्ष की तरह

इस वर्ष भी विद्यार्थियों के साथ योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। महावितरण में अतिरिक्त कलेक्टर सुचिता भिकाने जी के निर्देश पर विद्युत वितरण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में योग कार्यक्रम में सहभागिता की। योग गुरु राधेश्याम ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से लगातार निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर समाज में स्वास्थ्य एवं अनुशासन का संदेश फैला रहे हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व गुरु भारत के विजन से प्रेरित होकर योग को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना ही उनका संकल्प है। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से वर्ष 2014-15 में बी.पी.एड (शारीरिक शिक्षा) की डिग्री प्राप्त की। क्रीड़ा प्रबोधिनी के छात्र रहे राधेश्याम आज महाराष्ट्र में योग और खेल जगत का एक प्रतिष्ठित नाम बन चुके हैं। योग गुरु राधेश्याम के नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 72 स्वर्ण पदक सहित कई रजत और कांस्य पदक दर्ज हैं। उन्हें अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

योग गुरु राधेश्याम जयसवार ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मभूषण एवं शिव छत्रपति पुरस्कार प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की धरती ने उन्हें पहचान और सम्मान दिया है, जिसके लिए वे सदैव आभारी रहेंगे।

पूरा योग सप्ताह अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। योग गुरु राधेश्याम जयसवार के सरल एवं प्रभावी योग प्रशिक्षण ने सभी प्रतिभागियों को प्रभावित किया। इस आयोजन के माध्यम से योग को समाज में एक सशक्त जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अंजन गोस्वामी द्वारा आयोजित 23वां मुंबई रत्न अवॉर्ड शो संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बॉलीवुड के चर्चित फिल्म निर्देशक अंजन गोस्वामी द्वारा आयोजित 23वां मुंबई रत्न अवॉर्ड शो इस वर्ष भी भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह प्रतिष्ठित समारोह मुंबई के अंधेरी स्थित मेयर हॉल में आयोजित किया गया, जहाँ कला, सिनेमा और समाजसेवा से जुड़े कई विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध बिजनेसमैन डॉ. अमित गोयंका एवं समाजसेविका श्रीमती मृदुला अमित गोयंका उपस्थित रहीं। आयोजक अंजन गोस्वामी ने दोनों मुख्य अतिथियों को सम्मानित करते हुए अवॉर्ड प्रदान किये। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पद्मश्री अनूप जलोटा, शुभा

खोटे, हेमानी शिवपुरी, पद्मिनी कपिला, अदि ईरानी, मुश्ताक खान, अरुण बख्शी, अली खान, दिलीप सेन, राजू श्रेष्ठा, तेज सप्रू, अनंग देसाई, आरिफ जकारिया, अनंत जोग, प्रतिमा कन्नन, राजेश पुरी, इमरान खान, रजा मुराद, दिनेश कौशिक, एहसान कुरैशी, जयश्री टी तथा पार्श्व गायिका दीपा नारायण, सबब शबरी व टीना घई सहित अनेक कलाकारों ने शिरकत की।

इस भव्य आयोजन में मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से आये कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों को भी मुंबई रत्न अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक एवं संगीत प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अंजलि अंजन गोस्वामी एवं अनीता अंजन गोस्वामी द्वारा किया गया। अंत में सभी अतिथियों व उपस्थित दर्शकों ने आयोजन की भव्य सफलता पर अंजन गोस्वामी व अनीता गोस्वामी को शुभकामनाएँ दीं। आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कल्याण में कथित देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़

◆वकालत की आड़ में चल रहा था अवैध कारोबार, पुलिस ने दिया जानकारी

◆ठाणे क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, पीटा एक्ट के तहत केस दर्ज

◆आरोपी को 10 तारीख तक न्यायिक हिरासत; होटल संचालक की भूमिका भी जांच के घेरे में

कल्याण। कल्याण पूर्व के तिसगांव इलाके में ठाणे मानव तस्करी निरोधक क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में मनीषा नांदे नामक एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके चंगुल से दो पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया गया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि आरोपी महिला कल्याण और पनवेल की अदालतों में वकालत करती है। फिलहाल अदालत ने आरोपी को 10 तारीख तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गुप्त सूचना के आधार पर ठाणे क्राइम ब्रांच की मानव तस्करी निरोधक इकाई ने कल्याण पूर्व स्थित तिसगांव नाका के उडुपी पैलेस होटल में जाल बिछाकर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मनीषा नांदे नामक महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी 24 और 26 वर्षीय दो महिलाओं को कथित रूप से देह व्यापार के लिए वहां लाई थी। दोनों महिलाओं को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया है।आरोपी के खिलाफ कोलसेवाडी पुलिस थाने में पीटा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कल्याण अदालत में पेश किया गया था, जहां पहले उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। बाद में दोबारा अदालत में पेश किए जाने पर न्यायालय ने उसे 10 तारीख तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिला कल्याण और पनवेल की अदालतों में वकालत करती है।

पुलिस को संदेह है कि वह पिछले कुछ महीनों से इस कथित गतिविधि में शामिल थी। फिलहाल मामले की जांच जारी है। साथ ही पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जिस होटल में यह कार्रवाई की गई, उसके संचालक की इस पूरे प्रकरण में कोई भूमिका थी या नहीं।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मीरा भायंदर में विशाल सखी सम्मेलन का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा मीरा भायंदर में मातृशक्ति के सम्मान, जागरूकता एवं सशक्तिकरण को समर्पित विशाल सखी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि, ₹यदि समाज में मातृशक्ति को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर प्राप्त हों, तो राष्ट्र स्वतः ही प्रगति के पथ पर अग्रसर हो जाता है।₹ उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को लेकर समिति महिलाओं एवं बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सम्मेलन में मनोवैज्ञानिक श्रीमती पूनम मेहरा, सर्जन डॉ. सुरेखा मिचेरी तथा घरेलू हिंसा विषय की विशेषज्ञ अधिवक्ता वीना सिंह ने विशेष वक्ता के रूप में महिलाओं को स्वास्थ्य, मानसिक सशक्तिकरण,

कानूनी अधिकारों, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर उपयोगी जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर साहित्य, खेल,स्वास्थ्य, पत्रकारिता, समाज सेवा, प्रशासन, शिक्षा एवं उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों एवं एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर के रूप में निक्की शर्मा को विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत निक्की शर्मा ने कहा कि इस विशाल सखी सम्मेलन का हिस्सा बनना उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं गौरवपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत, समिति के सभी पदाधिकारियों तथा मीरा रोड सखी परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को जागरूक, संगठित और सशक्त बनाने वाले ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बच्चों की मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, चार महिलाओं पर लाठी-सरिया से हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव में बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गई। आरोप है कि पटीदारों के 7-8 लोगों ने मिलकर चार महिलाओं पर लाठी, ईंट और सरिया से हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गईं।

घटना गुरुवार शाम करीब 6 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में सभी का इलाज किया गया।

घायलों में सीमा (40 वर्ष), अरविंद (2 वर्ष), रूपा कुमारी (16 वर्ष) पुत्री विजय गौतम तथा प्रिया निवासी चांदपुर, थाना लाइन बाजार शामिल हैं।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद को लेकर विपक्षी पक्ष के लोगों ने एकजुट होकर हमला किया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया।

पुलिस का कहना है कि मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं पीड़ित परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाने की मांग की है।

यौमे आशूरा पर बरीयारपुर कर्बला में अकीदत का सैलाब, शांतिपूर्ण माहौल में निकला ताज़िया जुलूस

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुहर्रम की 10वीं तारीख यौमे आशूरा पर बरसठी क्षेत्र के बरीयारपुर कर्बला में गम, अकीदत और धार्मिक श्रद्धा के साथ ताज़िया जुलूस निकाला गया। विभिन्न मोहल्लों से निकले ताज़िए पारंपरिक मार्गों से होते हुए कर्बला पहुँचे, जहाँ धार्मिक परंपराओं के अनुसार सेहरा दफ़्न किया गया। इस दौरान हजरत इमाम हुसैन (रज़ि.) और कर्बला में शहीद हुए 72 साथियों की याद में फातिहा पढ़ी गई और दुआ-ए-मगफिरत की गई।

यौमे आशूरा के अवसर पर अकीदतमंदों ने रोजा रखकर इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि कर्बला का पैगाम इंसानियत, सत्य, न्याय, सब्र और अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने की सीख देता है। जुलूस के दौरान पूरे क्षेत्र में अमन, अनुशासन और भाईचारे का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुलूस सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर ताज़िया कमेटी के अध्यक्ष मो. मुस्लिम सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। सभी ने देश और प्रदेश में अमन, खुशहाली और आपसी सौहार्द के लिए दुआ की तथा कर्बला की शहादत से प्रेरणा लेकर सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। धार्मिक आस्था, अनुशासन और सामाजिक समरसता के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे का जीवंत उदाहरण बना।

ढेरही टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने पेश की मानवता की मिसाल

जितेन्द्र कनोजिया, केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग-28 स्थित ढेरही टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारियों ने राहगीरों की सेवा कर मानवता का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। टोल प्लाजा पर आने-जाने वाले वाहन चालकों व यात्रियों को ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक और रूह अफजा शरबत वितरित कर गर्मी से राहत दिलाई गई। इस सेवा कार्य में टोल प्लाजा के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राहगीरों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि भीषण गर्मी में इस प्रकार की सेवा न केवल राहत देती है, बल्कि समाज में मानवता और सामाजिक सरोकार का भी संदेश देती है। इस अवसर पर टोल प्लाजा के ऑनर लालजी पाठक, एमडी मनीष पाठक, नीलेश उपाध्याय, ज्ञानेश उपाध्याय, टोल मैनेजर सूरज राय, आईटी मैनेजर राजीव रंजन, विवेक उपाध्याय, मनीष सिंह, मिथिलेश सिंह (पब्लिक मैनेजमेंट), सन्नी पाठक तथा आनंद प्रजापति सहित सभी कर्मचारियों ने राहगीरों की सेवा में सक्रिय योगदान दिया। इस मानवीय पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है और लोग इसे सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण बता रहे हैं।

डीएम व एसपी ने थाना समाधान दिवस में सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं

पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर लाइन बाजार थाना पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का समाधान पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में दोनों विभागों की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर जांच करने तथा शिकायतों का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करें। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। थाना समाधान दिवस के दौरान थाना प्रभारी के.के. सिंह सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

140 प्रजातियों का 'मॉडल आम बाग' बना किसानों के लिए प्रेरणा, सूर्यभान यादव होंगे सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सिकरारा विकासखंड स्थित विशुनपुर (लाला बाजार) निवासी प्रगतिशील किसान सूर्यभान यादव ने अपनी मेहनत, नवाचार और उद्यान विभाग के तकनीकी सहयोग से 140 दुर्लभ एवं उन्नत प्रजातियों का अनूठा 'मॉडल आम बाग' विकसित कर मिसाल कायम की है। यह बाग अब जौनपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के जनपदों के किसानों के लिए भी प्रेरणा और सीख का केंद्र बन गया है।

सूर्यभान यादव ने अपने पारंपरिक आम के बाग को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नई पहचान दी। उनके पुत्र अनिल यादव की बागवानी के प्रति रुचि से इस प्रयास को और गति मिली। आज उनके एक हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले बाग में मियाजाकी, कियो सैतो कप्पात, रेड आइवरी, ब्लूई किंग, एप्पल मैंगो, ताइवानी रेड समेत करीब 140 प्रजातियों के आम सफलतापूर्वक तैयार किए जा रहे हैं।

उद्यान विभाग ने इस मॉडल बाग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (कअफक) की उन्नत प्रजातियों के पौधे उपलब्ध कराए गए। साथ ही ड्रिप सिंचाई, वर्मी कम्पोस्ट, वैज्ञानिक छंटाई, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा अल्ट्रा हाई डेंसिटी प्लांटेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया गया।

आधुनिक खेती और वैज्ञानिक प्रबंधन का परिणाम यह है कि बाग से प्रतिवर्ष लगभग 200 कुंतल आम का उत्पादन हो रहा है। इससे करीब 6 लाख रुपये की सकल आय प्राप्त होती है, जबकि लगभग 80 हजार रुपये की लागत के बाद 4 लाख रुपये का शुद्ध लाभ मिल रहा है। यह मॉडल कम लागत में अधिक लाभ का सफल उदाहरण बन चुका है।

वर्तमान में यह बाग 'डेमोंस्ट्रेशन हब' के रूप में विकसित हो चुका है, जहां किसान आधुनिक बागवानी तकनीकों, दुर्लभ आम की प्रजातियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस बाग का निरीक्षण कर इसकी सराहना की है।

प्रगतिशील किसान सूर्यभान यादव को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' में सम्मानित किए जाने हेतु नामित किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय शासन, प्रशासन और उद्यान विभाग के निरंतर सहयोग को देते हुए कहा कि यदि किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता रहे तो खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

28.28 करोड़ की लागत से गुरैनी-मानीकलां-सोंगर-मार्टिनगंज मार्ग के चौड़ीकरण का शिलान्यास

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में सड़क अवसंरचना को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गुरैनी-मानीकलां-सोंगर-मार्टिनगंज (अंतर जिला मार्ग) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने किया। लगभग रु.2828.40 लाख (रु.28.28 करोड़) की लागत से बनने वाली यह परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

शिलान्यास के अवसर पर मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित होगी। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होने के साथ व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी। इससे क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आधारभूत संरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेशभर में सड़क, पुल और अन्य जनकल्याणकारी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कराया जा रहा है, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

इस अवसर पर अजय सिंह, मोहम्मद अरशद खान (पूर्व प्रधान, मानीकलां), पप्पू कुमार सोनकर, जय प्रकाश साहू, विक्की साहू, कमलेश साहू, राजेश कुमार गुप्ता, जियालाल बिंद, उमाशंकर प्रजापति सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने सड़क परियोजना का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बक्शा में दर्दनाक सड़क हादसा, 20 वर्षीय युवक की मौत

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के औका गांव निवासी 20 वर्षीय अमन गुप्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह बाइक से शहर की ओर जा रहे थे कि रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने अथवा बाइक अनियंत्रित होने से गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है तथा अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

जनपद न्यायाधीश, डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन., पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता यादव ने जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध

कराई जा रही सुविधाओं, विधिक सहायता एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बंदियों की समस्याएं भी सुनीं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद निरीक्षण दल ने कारागार की पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की। साथ ही जेल अस्पताल का निरीक्षण करते हुए बंदियों के उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी बंदियों का समुचित एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी गंगाराम गौतम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सघन पल्स पोलियो अभियान हेतु निकाली गयी रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में 28 जून, 2026 से 03 जुलाई, 2026 तक सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान पूर्व चक्रो की भाँति चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त अभियान को जनपद में 28 जून, 2026 से आरम्भ किया जायेगा, जिसमें

जनपद के 0-5 वर्ष के कुल 606187 बच्चों को पोलियो खुराक पिलायी जायेगी। उक्त अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु बृहद रैली निकाली गयी, जिसकों मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० गंगाराम गौतम जी के द्वारा समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा० नरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में राजकीय टी० बी० चिकित्सालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली अम्बेडकर तिराहा से होते हुये कलेक्ट्रेट होते हुए हुये टी०बी० चिकित्सलय में पुनः वापस आयी।

इस अवसर पर रैली में अमित कुमार सिंह गॉवी, आदित्य जायसवाल, ए०एन०एम०, ऑगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं आशाकार्यत्री, ए.डी.ए. आर. एवं विभाग के समसत अधिकारीगण, कर्मचारीण एवं अर्बन क्षेत्र के को-आर्डिनेटर एवं अन्य अर्बन कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के सवैया निवासी रोहित यादव किसी कार्यवस बाहर गया था। रात्रि 9:00 बजे लगभग वापस लौट रहा था कि बंधवा पेट्रोल टंकी के पास घायल होने की सूचना मिली। सूचना पर परिजनों द्वारा एंबुलेंस से उसे इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया जहां पर इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। रोहित को दो बेटियां हैं। एक बच्चा की पत्नी के पेट में है। उसकी पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया ।पत्नी ने बताया कि हमारे पड़ोस के लोगों से विवाद काफी दिनों से चल रहा था उन लोगों ने धमकी दी गई थी ।इसके बाद ऐसी घटना घटित हो गई। रोहित की पत्नी का सीधा आरोप है कि उन लोगों ने इनके साथ मारपीट कर ऐसी घटना को इंजाम दिया गया। घटनास्थल पर थाना अध्यक्ष मीरगंज द्वारा मुआयना किया गया तो वहां के स्थानीय लोगों और दुकानदारों द्वारा बताया गया कि रात 9:00 बजे के लगभग सांड से टकराकर उनका एक्सीडेंट हुआ था। उनके पास मौजूद रुपए को सुरक्षित स्वजनों को सौंप दिया गया मारपीट की कोई घटना हम लोगों को संज्ञान में नहीं है। वहीं परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम को के बाद शव को घर ले जाकर अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया गया जब तक मुकदमा दर्ज नहीं होगा हम लोग अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। मौके पर पहुंची पुलिस परिजनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया ।मीरगंज पुलिस द्वारा चार लोगो पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार हेतु ले गए।

मोहर्रम को लेकर डीएम-एसपी ने किया खेतासराय का भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शनिवार को खेतासराय क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने नगरवासियों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा, सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि या सूचना मिले तो तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को अवगत कराएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क हैं तथा नागरिकों के सहयोग से मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को नियमित पैदल गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी तथा आमजन से निरंतर संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारात में मामूली विवाद के बाद मारपीट, युवक की मौत

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत राजपत नगर, आरा में बीती रात बारात के दौरान घराती और बराती पक्ष के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस हिंसक झड़प में एक युवक की मौत हो गई, जिससे शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार, भदेठी हक गांव, थाना सरायख्वाजा निवासी जमुना राजभर के घर बारात आई थी। जयमाला कार्यक्रम के उपरांत किसी बात को लेकर घराती और बराती पक्ष के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों की ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। इस दौरान भदेठी निवासी सौरभ राजभर (24) पुत्र राजेश राजभर के सिर पर ईंट लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा और बेहोश हो गया।

परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही शादी का माहौल पूरी तरह बदल गया। उस समय विवाह की रस्म के तहत सिंदूरदान की प्रक्रिया होने जा रही थी, जिसे वर पक्ष ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया। काफी मान-मनौव्वल के बाद भी बारात बिना विवाह के ही वापस लौट गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन शव लेकर थाना गौराबादशाहपुर पहुंचे। इस मामले में थाना अध्यक्ष गंगासागर मिश्रा ने बताया कि मृतक के भाई गौरव राजभर की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच करते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है।

ऊर्जा संकट के हल की ओर बड़ा कदम, पीयू में हुआ महत्वपूर्ण शोध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुए दो महत्वपूर्ण शोध कार्य भविष्य में ऊर्जा संरक्षण, औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकते हैं। भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत किए गए इन अध्ययनों में ऐसे उन्नत पदार्थों और नैनो द्रवों के गुणों का विश्लेषण अल्ट्रासोनिक तकनीक से बहुत गहराई से किया गया है, जिनका उपयोग बेहतर ऊर्जा प्रबंधन, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, ताप नियंत्रण प्रणालियों और औद्योगिक उत्पादन में किया जा सकता है।

प्रो.देवराज सिंह के निर्देशन में हुआ शोध कार्य

विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. देवराज सिंह के निर्देशन में शोधार्थी राकेश कुमार की पीएचडी मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। दोनों शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए उनके वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित किया।

शोधार्थी उन्नत पदार्थों एवं नैनो द्रवों के अल्ट्रासोनिक, यांत्रिक और तापीय गुणों पर आधारित अपने शोध में विभिन्न प्लैटिनम समूह के धात्विक पदार्थों, अंतर धात्विक पदार्थों तथा धात्विक ऑक्साइडों का अध्ययन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन पदार्थों के गुणों की बेहतर समझ भविष्य में ऊर्जा दक्ष उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी और ताप प्रबंधन प्रणालियों के विकास में सहायक हो सकती है। मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए थेलियम मोनोपनिकटाइडस के इलास्टिक, मैकेनिकल और ऊष्मा भौतिक गुणों की भविष्यवाणी की। साथ ही जिंक ऑक्साइड और एल्युमीनियम ऑक्साइड आधारित नैनो द्रवों के अध्ययन से ऊष्मा संचरण क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया, जिसका उपयोग उद्योगों, शीतलन प्रणालियों और ऊर्जा क्षेत्र में किया जा सकता है। मौखिक परीक्षा में वाह्य विशेषज्ञों ने शोधार्थी से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। शोधार्थी ने अपने शोध से जुड़े प्रश्नों के स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर दिए, जिसके बाद उनके कार्यों की सराहना की गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, बाह्य परीक्षक गण, शोध निर्देशक प्रो. देवराज सिंह, रज्जू भैया संस्थान के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने शोधार्थी राकेश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शोध कार्य केवल अकादमिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि समाज, उद्योग और विज्ञान के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इन शोधों से यह उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में ऊर्जा की बचत, औद्योगिक उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार, उन्नत तकनीकों के विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान के नए आयाम स्थापित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

पेपर लीक के कारण देश के करोड़ों छात्रों का जीवन हुआ चौपट: डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नरेंद्र मोदी की सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गई है, सरकार की पेपर लीक योजना के कारण देश के करोड़ों छात्रों, युवाओं का भविष्य अंधकार में चला गया है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने शनिवार को शहर के एक होटल में प्रेस प्रतिनिधियों से वातालर्प के दौरान कहा। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में बेरोजगारी उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी है। सरकार की नाकामियों का परिणाम है कि पढ़ा लिखा नौजवान दर-दर ठोकरें खा रहा है और आत्महत्या करने करने पर मजबूर हो गय है। डा. प्रमोद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश के नौजवानों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि तथाकथित डबल इंजन की सरकार सभी दावे हवा हवाई हो गयी है, उत्तर प्रदेश अपराध गढ़ बन गया है, यूपी में हत्याएं, लूट डकैती की रोज होने वाली घटनाओ से पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि जिस रामराज्य का सपना दिखाकर भाजपा सत्ता में आई थी आज उसी भाजपा सरकार में भगवान राम भी सुरक्षित नहीं है। अयोध्या के राममंदिर में हुई लूट और चंदा चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस सरकार में भगवान को भी लूट लिया गया, अयोध्या में राममंदिर ट्रस्ट के नाम पर जमीन घोटाला, सोने चांदी की कीमती शिलाओं, भगवान का मुकुट हार आदि की चोरी से देश के हिंदुओं की आस्था पर गहरा आघात लगा है। सरकार मुख्य आरोपियों को बचाने के लिए सारा प्रयास कर रही है। शहर कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष आरिफ खान ने भी संबोधित किया। इस मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, लाल प्रकाश पाल, इरशाद खान राजू, सभासद शहनवाज मंजूर, दिवाकर मौर्या, ओमकार यादव, राजकुमार गुप्ता,ललित चौरसिया, मुहम्मद ताहिर, तौफीक अहमद राजू, मोहम्मद अर्शी, आदिल साद खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भूमि विवाद को लेकर चले लाठी-डंडे ,चार लोग घायल;

आजमगढ़। आजमगढ़ के रौनापार थाना क्षेत्र के परसिया गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में आठ माह की गर्भवती महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, परसिया गांव निवासी बिपिन सिंह (23) अपने नए मकान का निर्माण करा रहे थे। मंगलवार की रात करीब आठ बजे निर्माण कार्य के दौरान उनके चाचा रामबदन ने कथित रूप से काम रुकवाने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई।

आरोप है कि रामबदन और उनके परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों से बिपिन सिंह पर हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचीं बिपिन की बहनें सुनीता सिंह (32) निवासी हरैया जमुआरी थाना रौनापार, पूनम सिंह (25) निवासी बढ़या थाना रानी की सराय और रिंकू (26) निवासी शिवरी, जिला बलिया भी हमले का शिकार हो गईं। मारपीट में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों ने सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों में पूनम सिंह के आठ माह की गर्भवती होने के कारण परिवार की चिंता और बढ़ गई है। चिकित्सक उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रौनापार थाना प्रभारी अमित कुमार दुबे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रामबदन, सतेंद्र, नितिश, गौरव, राबड़ी और साधना के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एलपीजी टैंकर में विस्फोट के साथ लगी आग, चालक जिंदा जला

कौशांबी (उत्तरशक्ति)। कोखराज टोल प्लाजा पर शुक्रवार सुबह इंडियन गैस के एलपीजी कैप्सूल टैंकर में विस्फोट के साथ आग लगने से मिजार्पुर निवासी चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। साथ ही पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे में 12 बाइक व एक कार भी जल गई।

कोखराज थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे कानपुर से वाराणसी जा रहा इंडियन गैस का एलपीजी कैप्सूल टैंकर लेन बदलने के दौरान डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि टैंकर का वाल्व निकल गया। इससे पूरे टोल प्लाजा परिसर और आसपास के क्षेत्र में तेजी से गैस फैलने लगी। गैस रिसाव के बीच टैंकर टोल बूथ और सामने खड़े वाहन से टकरा गया। देखते ही देखते जोरदार धमाके के साथ भीषण आग लग गई और पूरा टोल प्लाजा आग की लपटों में घिर गया।

घटना के समय टोल बूथ पर ड्यूटी कर रहे कर्मचारी और आसपास मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। आग की चपेट में आने से टोल कर्मी हीरामणि (28),आलोक सिंह (27) निवासी रायबरेली, कृष्ण पाल मौर्य (23) निवासी ललितपुर, अतुल मिश्रा (30) निवासी रीवा और राहगीर अनिल कुमार (30) गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को एनएचएआई की एंबुलेंस और निजी वाहनों से जिला अस्पताल मंझनपुर ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया।

विस्फोट इतना भीषण था कि टोल प्लाजा के समीप बने कर्मचारियों के विश्राम कक्ष भी चपेट में आ गए। कमरे में सो रहे कर्मचारी झुलस गए। जबकि शौचालय में मौजूद एक कर्मचारी बाहर निकलते ही आग की लपटों में घिर गया। एचआर अनुज सिंह, टोल मैनेजर अनूप पांडेय और अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद टैंकर की केबिन की तलाशी लेने पर चालक का जला हुआ शव सीट पर मिला। पहले उसके सुरक्षित निकल जाने की बात सामने आई लेकिन जांच में स्पष्ट हुआ कि वह केबिन से बाहर नहीं निकल सका। पुलिस ने शव के अवशेष पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

हादसे के बाद कोखराज पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर करीब आधा किलोमीटर पहले ही बैरिकेडिंग कर यातायात रोक दिया। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब डेढ़ घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। आग बुझने और जला टैंकर हटाने के बाद ही यातायात बहाल हो सका। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

नरायनपुर(उत्तरशक्ति)। बंद रेलवे फाटक नरायनपुर के पास शुक्रवार सुबह रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से लक्षण पटेल (60) की मौत हो गई। ग्रामीणों ने पहचान लक्षन निवासी सोनई थाना अदलहाट के रूप में की। जीआरपी प्रभारी चुनार रमाशंकर ने बताया कि परिवार में एक पुत्र रवि पटेल है। जो चेन्नई में रहकर पढ़ाई करता है। जीआरपी थाना चुनार पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर जुट गये। मिर्जापुर। लक्षण पटेल की शुक्रवार को नरायनपुर रेलवे पटरी पार करते समय विपरीत दिशा में ट्रेन के आने के वजह से दर्दनाक मृत्यु हो गई। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल ने परिजनों से मिलकर जीआरपी चुनार से संपर्क कर शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। कहा कि नरायनपुर क्षेत्र के लोगों का बड़ा दुर्भाग्य है कि बाजार में पावले नहीं है। इसकी मांग को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कई बार उठाया। जिसकी अनदेखी की गई। इस तरह की घटनाएं कई बार हो चुकी है।

मुहर्रम जुलूस के दौरान घूमने निकले किशोर की करंट से मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मुहर्रम जुलूस के दौरान घूमने निकले बहादुरगंज हटिया निवासी मोहम्मद हमजा (17) की शुक्रवार तड़के करंट लगने से मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के सेवई मंडी के पास हल्की बारिश के बीच बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि मोहम्मद हमजा मुहर्रम का जुलूस देखने और घूमने के लिए घर से निकला था। तड़के हल्की बारिश हो रही थी। इसी दौरान सेवई मंडी के पास वह सड़क किनारे लगे बिजली के पोल के संपर्क में आ गया। आशंका है कि बारिश के कारण पोल में करंट उतर आया था। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया। स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। कोतवाली थाना प्रभारी निरेंद्र शुक्ला ने बताया कि करंट लगने से किशोर की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया बारिश के कारण बिजली के पोल में करंट उतरने की आशंका है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर अभिभाषक संघ का चुनाव संपन्न रातभर चली मतगणना परिणाम घोषित

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। पहली बार राकेश पाल अध्यक्ष और धर्मेंद्र गुर्जर सचिव बने, उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र नीम, सह सचिव पर निमेष सोलंकी और कोषाध्यक्ष पद पर पल्लविका अध्यारु निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आयुष भोरहरी, सुधीर व्यास (हैप्पी), नितिन पाराशर, स्नेहिल वर्मा (लक्की), सुमनलता मुकाती और श्यामा वर्मा ने जीत दर्ज की। इंदौर अभिभाषक संघ के चुनाव गुरुवार को संपन्न हुए। चुनाव के नतीजे देर रात शुक्रवार को आए। अध्यक्ष पद पर राकेश पाल ने जीत दर्ज कराई, जबकि धर्मेंद्र गुर्जर सचिव बने। सहसचिव पद पर निमेष सोलंकी विजयी रहे। कोषाध्यक्ष पद पर पल्लविका अध्यारू को मतदाताओं ने चुना। कार्यकारिणी सदस्य पद पर आयुष भोरहरी, सुधीर व्यास

(हैप्पी), नितिन पाराशर, स्नेहील वर्मा, सुमनलता मुकाती और श्यामा वर्मा निर्वाचित हुए।अध्यक्ष पद पर राजेश खडेलवाल और राकेश पाल के बीच कड़ी टक्कर रही। रवींद्र सिंह गौड़, गोपाल कचौलिया, श्रीराम भदौरिया, मनोज वर्मा, एल.एल. यादव और राजेंद्र यादव भी मैदान में थे, लेकिन अंततः राकेश पाल ने जीत हासिल की। गुरुवार को मतदान सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जो शाम 5 बजे तक चला। इसके बाद मतगणना शुरू हुई। अभिभाषक संघ में कुल 5,463 मतदाता थे, जिनमें से 3,558 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सदस्यों ने 11 पदों के लिए मतदान किया। इनमें पांच मत पदाधिकारियों के लिए तथा छह मत कार्यकारिणी सदस्यों के लिए डाले गए। पदाधिकारी पदों के लिए 53 प्रत्याशी मैदान में थे, जबकि कार्यकारिणी के छह पदों के लिए 21 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे।इस बार मतदान को लेकर मतदाताओं में अपेक्षित उत्साह नजर नहीं आया, क्योंकि केवल लगभग साढ़े तीन हजार मत ही पड़े। मतदान समाप्त होने के बाद बचे हुए मतपत्रों को नियमानुसार नष्ट कर दिया गया। इसके बाद मतगणना शुरू हुई। सबसे पहले मतपेटियों से मतपत्र निकालकर उनकी छंटनी की गई। इसके बाद उन्हें व्यवस्थित कर मतों की गिनती शुरू हुई। पूरी मतगणना की वीडियोग्राफी भी कराई गई। परिणाम रात करीब डेढ़ बजे घोषित किए गए। इसके बाद विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। राकेश पाल इससे पहले अभिभाषक संघ में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वे पहली बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

शिवम क्लिनिक को किया गया तत्काल प्रभाव से सील, मासूम की मौत के बाद प्रशासन ने की बडी कार्यवाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र मे पाँच वर्षीय मासूम बच्चे की मौत के मामले में पूरे जिले को झगझोर कर रख दिया है ! घटना के आद जिला प्रशासन हरकत में आया और शनिवार को कार्यवाई करते हुए शिवम क्लिनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया ! अब पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्यवाई की जायेगी ! प्रशासन के मुताबिक बच्चे की मौत का मामला सोशल मीडिया के माध्यम से संग्यान में आने के बाद जिलाधिकारी जौनपुर ने तत्काल जांच के निर्देश दिए ! इसके बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने शिवम क्लिनिक पहुंच कर निरीक्षण किया ! उपजिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार भारती के नेतृत्व मे गठित टीम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी और डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल रहे ! टीम ने क्लीनिक के अभिलेखों इलाज मे जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की बारीकी से जांच की !प्रारम्भिक जाँच मे सामने आए तथ्यों को गम्भीर मानते हुए प्रशासन ने एहतियातन शिवम क्लिनिक को सील कर दिया ! अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की विस्तृत जाँच जारी है और यदि किसी प्रकार की लापरवाही, नियमों का उलंघन या अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्यवाई की जाएगी ! जिला प्रशासन ने साफ शब्दों मे कहा है कि जन स्वास्थ्य से जुड़े मामलों मे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी ! जिले मे संचालित स्वास्थ्य संस्थानों की भी लगातार जांच की जाएगी ।

नगरसेविका अपर्णा पाटिल का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया

वसई। वसई-विरार महानगरपालिका के वॉर्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल का जन्मदिन वसई पश्चिम स्थित उनके कार्यालय में उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, व्यापारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, विजेंद्र कुमार, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, निपुण दोशी, निम्मी दोशी, सुरेश प्रजापति, मनिंदर सिंह कोहली, हरीश बेदी, एडवोकेट नेहा दुबे, लालजी कनोजिया, कल्पेश चौहान, कल्पेश पांडे, मयंक सेठ, मनोज चोटलिया, उदय शेट्टी, बकुल मेहता, दुर्लभ पढ़ीयार, एडवोकेट प्रणीत सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने नगरसेविका अपर्णा पाटिल को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल जनसेवा की कामना की।

इस अवसर पर उत्तराशक्ति न्यूज के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने अपर्णा पाटिल को शाल भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का माहौल आत्मीयता और उत्साह से भरपूर रहा तथा उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

सत्यम होटल और विहान सुपरकिंग फाइनल में, हामीद व अनीष बने मैन ऑफ द मैच

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के मैदान पर आयोजित जौनपुर चैम्पियन ट्रॉफी-2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों में सत्यम होटल और विहान सुपरकिंग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले सेमीफाइनल में सत्यम होटल ने पीएल एंड पीडी को रोमांचक मुकाबले में 5 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सत्यम होटल ने हामीद के शानदार अर्धशतक (50 रन) की बदौलत 161 रन बनाए। जवाब में पीएल एंड पीडी की टीम 157 रन पर सिमट गई। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए हामीद को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे सेमीफाइनल में लाइफ डेंटल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 219 रन बनाए। महफूज ने 55 और आयुष ने 64 रनों की शानदार पारियां खेलीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए विहान सुपरकिंग के बल्लेबाज अनीष निषाद ने मात्र 76 गेंदों में 17 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 119 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेली। पीयूष ने 47 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। अनीष की शानदार बल्लेबाजी के दम पर विहान सुपरकिंग ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।अब जौनपुर चैम्पियन ट्रॉफी-2026 के फाइनल मुकाबले में सत्यम होटल और विहान सुपरकिंग की टीमें खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। क्रिकेट प्रेमियों को इस रोमांचक मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।

डॉ. हेमंत सावरा आपातकाल दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल, लोकतंत्र सेनानियों को किया नमन

वाडा, पालघर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल दिवस के अवसर पर वाडा स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 25 जून 1975 को देश में लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण अध्याय बताते हुए उस दौर में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

डॉ. सावरा ने उपस्थित कार्यकताओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर आघात हुआ था। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती, संविधान के प्रति सम्मान तथा नागरिक अधिकारों की रक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. सावरा ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी ज्ञात एवं अज्ञात लोकतंत्र सेनानियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सदैव स्मरण रखने का आह्वान किया।

जोन-2 के नए डीसीपी अशोक तानाजी वीरकर ने स्नेहा दुबे पंडित से की शिष्टाचार भेंट

वसई। वसई पश्चिम स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय में मीरा-भायंदर, वसई-विरार जोन-2 के नवनियुक्त डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) अशोक तानाजी वीरकर ने विधायक स्नेहा दुबे पंडित से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने डीसीपी वीरकर का गुलदस्ता भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, नागरिकों की सुरक्षा, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अशोक तानाजी वीरकर को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके

नेतृत्व में मीरा-भायंदर, वसई-विरार जोन-2 में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी होगी तथा नागरिकों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

यह शिष्टाचार भेंट प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय तथा जनहित के मुद्दों पर साझा कार्य करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

रेलवे में मेट्रो जैसी सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग, रंजु - ने उठाए महत्वपूर्ण मुद्दे

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी मुंबई की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा ने एक मुलाकात के दौरान रेलवे यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को उठाते हुए रेलवे मंत्रालय से मेट्रो रेल की तर्ज पर रेलवे स्टेशनों पर भी सख्त सुरक्षा जांच व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि मुंबई मेट्रो में यात्रियों की प्रवेश से पहले व्यापक सुरक्षा जांच की जाती है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इसी प्रकार यदि रेलवे स्टेशनों पर भी मेट्रो जैसी जांच व्यवस्था लागू की जाए, तो अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने हाल ही में पश्चिम रेलवे में एक युवक की चाकू मारकर हत्या की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि ऐसी सुरक्षा व्यवस्था पहले से होती, तो संभवतः इस तरह की दुखद घटना टाली जा सकती थी और एक युवा की जान

बच जाती।

रंजु झा ने केंद्रीय रेल मंत्री तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आग्रह किया कि वर्तमान अधिवेशन में रेलवे स्टेशनों पर मेट्रो जैसी सुरक्षा जांच लागू करने का प्रस्ताव पारित किया जाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का वातावरण मिल सके।

उन्होंने एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए कहा कि मुंबई के कई मेट्रो स्टेशनों के बाहर ऑटो-रिक्शा स्टैंड और बस स्टॉप की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके कारण यात्रियों को अंतिम गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि सभी प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के बाहर रिक्शा स्टैंड तथा बस सेवा की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि यात्री आसानी से अपने घर, कार्यालय या अन्य गंतव्य तक समय पर पहुंच सकें और मेट्रो सेवा का अधिकतम लाभ उठा सकें।

खंडहर बना मौत का रहस्य! बड़ेरी गांव में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश, हत्या की आशंका से सनसनी

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के बड़ेरी गांव में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर स्थित एक खंडहर में करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। शव मिलने की खबर आग की तरह फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं।

सूचना मिलने पर बरसठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। मृतक ने नीले रंग का हाफ पैंट (चड्डा) और छिटदार शर्ट पहन रखी

थी। शव सड़क से लगभग 60 मीटर दूर एक सुनसान खंडहर में मिला, जिससे ग्रामीण हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान कराने और मामले की सभी पहलुओं से जांच में जुटी हुई है।

यामाहा म्यूज़िक इंडिया ने ARIUS YDP-166 और DP-146 लॉन्च कर अपने डिजिटल पियानो पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। यामाहा म्यूज़िक इंडिया ने भारत में ARIUS YDP-166 और ARIUS YDP-146 डिजिटल पियानो के लॉन्च की घोषणा की है। छात्रों और संगीत प्रेमियों के लिए डिजाइन की गई अफ्फ्रन्न सीरीज, यामाहा के मशहूर अकूस्टिक पियानो के साउंड और टच को डिजिटल फीचर्स के साथ जोड़ती है, जो सीखने और अभ्यास को बेहतर बनाते हैं। । यामाहा की प्रसिद्ध पियानो टेक्नोलॉजी को आकर्षक कैबिनेट डिजाइन के साथ मिलाकर, यह सीरीज प्लेयर्स को अकूस्टिक इंस्ट्रूमेंट की जगह और रखरखाव की जरूरतों के बिना कॉन्सर्ट ग्रैंड पियानो का अनुभव प्रदान करती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, Mr. Ryoji Maruyama, Sales Unit Head, Yamaha Music India ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमने भारतीय परिवारों, छात्रों और संगीत प्रेमियों के बीच पियानो सीखने और बजाने में बढ़ती रुचि देखी है। ARIUS YDP-166 और YDP-146 को पेश करने का हमारा उद्देश्य यामाहा पियानो बजाने के अनुभव को और अधिक सुलभ बनाना है। हम ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स उपलब्ध करा रहे हैं, जो असली टच, साउंड और परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं तथा आधुनिक घरों में आसानी से फिट हो जाते हैं। Mr. Rehan Siddiqui, Deputy General Manager, MI-Sales Department, Yamaha Music India ने कहा, "ARIUS सीरीज को अकूस्टिक पियानो की परंपरा और आधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी की सुविधा के बीच की दूरी को कम करने के लिए विकसित किया गया है। नए मॉडल्स में यामाहा की नवीनतम कीबोर्ड टेक्नोलॉजी को डिफ्यूज़र ग्रिल वाले स्पीकर सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जिससे अधिक प्राकृतिक टच और बेहतर पियानो साउंड मिलता है और एक शानदार प्लेइंग एक्सपीरियंस मिलता है।

आजमगढ़ से भागीदारी पार्टी ने भरी 2027 चुनाव की हुंकार, ओम प्रकाश राजभर ने किया शक्ति प्रदर्शन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। फूलपुर के रामलीला मैदान में भागीदारी पार्टी द्वारा आयोजित जन अधिकार महारैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर उपस्थित रहे। रैली को संबोधित करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि भागीदारी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से अन्य राजनीतिक दलों में बेचैनी है। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछड़े, अति पिछड़े और वंचित समाजों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रेमचंद प्रजापति ने कहा कि भागीदारी पार्टी सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की विभिन्न विधानसभा सीटों पर प्रजापति समाज की निर्णायक संख्या है और आगामी चुनावों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम को पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. महेश चंद्रा प्रजापति ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल, पश्चिमांचल और बुंदेलखंड में प्रजापति समाज की बड़ी आबादी है और समाज को उसकी जनसंख्या के अनुरूप राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रजापति समाज के मतदाताओं की संख्या का उल्लेख करते हुए पार्टी की संगठनात्मक मजबूती का दावा किया। रैली में प्रदेश अध्यक्ष अशोक प्रजापति, संगठन मंत्री हरिवंदन प्रजापति, पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष सुनील प्रजापति, जिला अध्यक्ष रघुनाथ प्रजापति, यूथ जिला अध्यक्ष विकास प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

वेनेजुएला संकट: 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बन भारत ने दिया 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश

मुंबई/नई दिल्ली। भारत ने उत्तरी वेनेज़ुएला में आए भीषण भूकंप के बाद वहां राहत और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। इस मानवीय मिशन के तहत, भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमानों में 41 सदस्यीय मेडिकल टीम, फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, दवाइयां, और दो भीष्म क्यूब्स सहित लगभग 35 टन राहत सामग्री रवाना की है। वेनेज़ुएला में एक के बाद एक आए विनाशकारी भूकंप (तीव्रता 7.2 और 7.5) के बाद मची भारी तबाही के बीच भारत ने एक बार फिर वैश्विक फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभाई है। स्पेनिश भाषा में 'अमिस्ताद' का अर्थ 'दोस्ती' होता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 26 जून को अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू हो गया है! आज भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान वेनेज़ुएला के लिए रवाना हुए, जो भूकंप के बाद वहां चल रहे राहत कार्यों में मदद के लिए जरूरी सहायता सामग्री ले जा रहे हैं। इस सहायता में भारतीय सेना की एक फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री, दवाएं और मेडिकल उपकरण शामिल हैं, जिनमें दो 'भीष्म क्यूब्स' भी हैं। भारत इस मुश्किल समय में वेनेज़ुएला की सरकार और वहां के लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंडियन आर्मी की मेडिकल टुकड़ी शुक्रवार दोपहर हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से वेनेज़ुएला के लिए रवाना हुई। भारतीय सेना के प्रसिद्ध '60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल' की 41 सदस्यीय विशिष्ट चिकित्सा टीम में 9 सैन्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल हैं। यह टीम आपदा क्षेत्र में घायलों का आपातकालीन इलाज, ट्रॉमा मैनेजमेंट और जटिल सर्जरी करने में सक्षम है। 'ऑपरेशन अमिस्ताद' की सबसे बड़ी विशेषता भारत के 'आरोग्य मैत्री प्रोजेक्ट' के तहत निर्मित देश का स्वदेशी 'भीष्म क्यूब' का भेजा जाना है। यह एक मोबाइल, तेजी से तैनात होने वाला मॉड्यूलर फील्ड अस्पताल है, जो महज कुछ ही मिनटों में आपदा स्थल पर क्रियाशील हो जाता है।

दिव्यज फाउंडेशन ने वेलनेस, प्रेरणा और सामाजिक प्रतिबद्धता के शानदार जश्न के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की भावना का जश्न मनाते हुए, श्रीमती अमृता देवेंद्र फडणवीस द्वारा स्थापित दिव्यज फाउंडेशन ने एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक जीवन, वेलनेस, शिक्षा और मनोरंजन जगत के नेताओं ने हिस्सा लिया, ताकि समग्र स्वास्थ्य, मजबूती और युवाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके। यह पहल वेलनेस, करुणा और सेवा के माध्यम से समाज पर सार्थक प्रभाव डालने के लिए फाउंडेशन की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम में भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल; महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, बृहन्मुंबई नगर निगम की नगर आयुक्त और कई वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती अश्विनी भिडे, जाने-माने शिक्षाविद और 'फिट इंडिया' एंबेसडर डॉ. निवेदिता श्रेयांस, मशहूर अभिनेता शाहिद कपूर और लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला शामिल हुईं। इन सभी की मौजूदगी ने सैकड़ों प्रतिभागियों को योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

यह आयोजन भारत में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की दिशा में बढ़ते आंदोलन का एक सशक्त प्रमाण था। श्रीमती अमृता फडणवीस के दूरदर्शी नेतृत्व और दिविजा फडणवीस की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ, दिव्यज फाउंडेशन पीढ़ियों के बीच करुणा, सेवा और उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व के मूल्यों को बढ़ावा देकर समाज को प्रेरित करता आ रहा है। इस कार्यक्रम ने इस शाश्वत संदेश को खूबसूरती से मजबूत किया कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है जो समुदायों को जोड़ता है और व्यक्तियों को सशक्त बनाता है।

नितिन सुनील मिश्रा ने MH CET में 99.82 अंक प्राप्त कर क्षेत्र का बढ़ाया गौरव

मुंबई। आजकल शिक्षा के क्षेत्र में लड़के भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुंबई के घाटकोपर वेस्ट निवासी लोकप्रिय गायक सुनील कुमार मिश्रा (नन्हे) के सुपुत्र नितिन मिश्रा ने MAH CET साइंस 2026 की परीक्षा में 99.82% अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र टॉप कर अपने माता पिता के साथ साथ पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। गौरतलब है कि नितिन सुनील कुमार मिश्रा गांव लमाही, बरौत, हंडिया प्रयागराज उत्तर प्रदेश के मूल निवासी है। पत्रकार आदेश मिश्र ने बताया कि नितिन पार्कसाईट के प्रतिष्ठित संस्थान KRISHNA CLASESS से कोचिंग कर घाटकोपर के आर जे कॉलेज से 12वीं पास किया है। नितिन ने उछअरएरर के सर और कॉलेज के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर सुनील मिश्रा, निखिल, प्रदीप मिश्रा, सत्यम, बिपिन, विपुल, प्रिंस,राकेश मिश्रा, अनिल मिश्रा, धीरज शुक्ला,प्रिया, शुक्ला, महिमा, मीरा, गुड्डी लवली साक्षी एवं पूरे परिवार सहित तमाम शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्वल भविष्य की मंगल कामना के साथ शुभकामनाएं दी।

शिक्षकों द्वारा एसआईआर और बीएलओ की चुनावी ड्यूटी से बच्चों की पढ़ाई बाधित: तानाजी कांबले

-मनोज राय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र पुरोगामी टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तानाजी कांबले ने आरोप लगाया है कि एसआईआर और बीएलओ ड्यूटी के लिए शिक्षकों की बड़े पैमाने पर तैनाती से स्कूली शिक्षा पर बुरा असर पड़ रहा है। इसे लेकर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव (स्कूली शिक्षा), राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, शिक्षा आयुक्त, शिक्षा निदेशक और सभी जिला कलेक्टरों को एक कड़ा ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में एसोसिएशन ने तंज कसते हुए कहा है कि अगर रक्फ्र वाकई सरकार का सबसे अहम राष्ट्रीय काम है, तो राज्य के सभी स्कूलों को कुछ समय के लिए बंद कर देना चाहिए। साथ ही, शिक्षकों, नॉन-टीचिंग स्टाफ, छात्रों और अभिभावकों - सभी को चुनावी ड्यूटी पर लगा देना चाहिए ताकि यह काम तेजी से पूरा हो सके। एसोसिएशन ने बताया कि कई स्कूलों में 50 से 90 प्रतिशत एसआईआर या चुनाव प्रक्रिया से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन, किसी भी राष्ट्रीय काम को छात्रों की शिक्षा की कीमत पर लागू नहीं किया जाना चाहिए। एक तरफ तो 'शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने', राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) को प्रभावी ढंग से लागू करने' और 'छात्र-केंद्रित शिक्षा देने' के निर्देश दिए जाते हैं; वहीं दूसरी तरफ, उन्हीं शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कामों में बुरी तरह उलझाया जाता है। अगर एसआईआर सबसे अहम प्राथमिकता है, तो सरकार को साफ तौर पर यह बताना चाहिए, लेकिन अगर शिक्षा प्राथमिकता है, तो शिक्षकों को क्लासरूम में पढ़ाने की इजाजत दी जानी चाहिए। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी युवराज कलशेट्टी ने कहा, शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। जब वे लगातार गैर-शैक्षणिक कामों में लगे रहते हैं, तो इसका सीधा असर छात्रों पर पड़ता है।

भिवंडी के कशेली में सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी को नारपोली पुलिस के चंगुल में

भिवंडी । राज्य में नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं गुरुवार दोपहर को भिवंडी तालुका के कशेली में एक बिल्डिंग के नीचे खेल रही सात साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर एक फ्लैट में ले जाकर दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया। शाम को इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज होते ही पुलिस ने सिर्फ दो घंटे में फरार होने की तैयारी कर रहे आरोपी को दबोच लिया। आरोपी का नाम अंकित गिरी (उम्र 18 साल) है। पुलिस के मुताबिक, कशेली की एक बिल्डिंग में रहने वाली सात साल की बच्ची अपने दस साल के भाई के साथ बिल्डिंग के नीचे खेल रही थी, तभी अंकित गिरी नाम का एक आदमी वहां आया और उन दोनों को खाने का लालच दिया और उन्हें अपने भाई से पानी लाने के लिए 50 रुपये देने की पेशकश की और बच्ची को उनकी बिल्डिंग से तीन-चार बिल्डिंग दूर अपने किराए के कमरे में ले गया। वहां उसने उसके हाथ बांध दिए, उसका मुंह बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की। शाम को जब लड़की घर लौटी तो उसने अपने परिवार को इस बारे में बताया और उन्होंने शाम 7 बजे नारपोली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड़ और सहायक पुलिस उपायुक्त सचिन सांगले के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने तुरंत संदिग्ध आरोपी की तलाश शुरू की और सिर्फ दो घंटे में आरोपी अंकित गिरी को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद कशेली इलाके में गुस्से की लहर दौड़ गई है और वे देर रात पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए हैं और आरोपी को सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड वनप्लस ने वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 लॉन्च किया

मुंबई। ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड, वनप्लस ने आज ऑल-न्यू वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 पेश किया। यह नॉर्ड के ऑडियो पोर्टफोलियो का सबसे नया प्रोडक्ट है, जिसे स्टूडेंट्स और युवा प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 में दमदार रियल-टाईम एक्टिव नॉईज कैंसेलेशन (ए.एन.सी), बेहतरीन साउंड और लंबी बैटरी ड्यूरेबिलिटी मिलती है। चाहे व्यस्त यात्रा के दौरान हो, लंबे स्टडी सेशन से लेकर गेमिंग और वीकेंड एडवेंचर्स, ये हर परिस्थिति में बेहतरीन अनुभव प्रदान करते हैं। स्टेलर ब्लैक और एस्ट्रल टील में उपलब्ध वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 की कीमत 3,299 रुपये है, लेकिन सीमित समय के लिए यह 3,099 रुपये में मिलेगा। इसकी सेल 29 जून से शुरू होगी। अपना शांत स्पेस बनाईयेः वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 में एडवांस्ड नॉईज कैंसेलेशन सिस्टम दिया गया है, जो 52 डेसिबल तक का रियल-टाईम एक्टिव नॉईज कैंसेलेशन (ए.एन.सी) प्रदान करता है। इसलिए यूजर्स जहाँ भी हों, ये ईयरबड उन्हें फोकस्ड और तल्लीन रखते हैं। ये ईयरबड रियल टाईम में लगातार बदलते वातावरण के अनुरूप ढल जाते हैं। इनमें बाहरी आवाजों को पूरी तरह से रोकने और सुनने के बीच कई लिसनिंग मोड हैं। इन ईयरबड्स में छः माईक्रोफोन हैं। हर बड में तीन माईक्रोफोन दिए गए हैं। ये माईक्रोफोन एडवांस्ड ए.आई एलगोरिद्म के साथ मिलकर बिल्कुल क्रिस्टल क्लियर कॉल सुनिश्चित करते हैं। इसलिए, 25 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की तेज हवा में भी कॉल बिल्कुल साफ सुनाई देती है। हर पल के लिए दमदार और शानदार साउंडः हर ईयरबड में 12 मिमी का टाईटेनियम-कोटेड डायनामिक ड्राईवर है, जो जबरदस्त बैस के साथ शानदार साउंड प्रदान करता है। देर तक कम्फर्ट बनाए रखने के लिए ये व्यावहारिक और 4.3 ग्राम के अल्ट्रा लाईटवेट डिजाईन में आते हैं। वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 में यूजर्स को वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 प्रो के कई शानदार फीचर मिल रहे हैं। यह 3डी स्पैशियल ऑडियो और गेम साउंड स्पैशियल ऑडियो को सपोर्ट करता है। इसलिए जहाँ एक तरफ एंटरटेनमेंट का बेहतरीन अनुभव मिलता है, तो वहीं एफपीएस गेमर्स कदमों की आहट और गनशॉट जैसे संकेतों को ज्यादा सटीकता से पहचान पाते हैं। इसके अलावा, इसमें मास्टर ट्यूनर मोड और कस्टमाईजेबल ईक्यू सैटिंग भी दी गई हैं, ताकि यूजर्स अपना लिसनिंग अनुभव अपने हिसाब से अनुकूलित कर सकें। स्मार्ट टेक्नोलॉजी जो हर कदम पर आपका साथ निभाएः वनप्लस नॉर्ड बड्स 4 लेटेस्ट कनेक्टिविटी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करते हैं। इनमें ब्लूटूथ 6.1, ड्युअल डिवाईस कनेक्शन, गूगल फास्ट पेयर, माईक्रोसॉफ्ट स्विफ्ट पेयर और स्मार्ट ब्लूटूथ टेक्नोलॉजी है, जो 250 मीटर तक की कनेक्टिविटी रेंज में काम करती है। इसलिए यह सभी डिवाईस पर सुनने का बहुत सुगम अनुभव प्रदान करते हैं।

विशेष सड़क सुरक्षा अभियान में 55 वाहनों का चालान, यातायात नियमों के पालन की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर के विभिन्न स्थानों पर संचालित किया गया, जिसमें यात्रीकर अधिकारी प्रमोद कुमार तथा ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों ने भाग लिया। चेकिंग के दौरान ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, गलत दिशा में वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, रिफ्लेक्टिव टेप न होना, बिना या अस्पष्ट नंबर प्लेट तथा एचएसआरपी नंबर प्लेट न लगे वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान में कुल 55 वाहनों का चालान किया गया। परिवहन विभाग ने बताया कि परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार 27 एवं 28 जून 2026 को जनपद में विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा मोबाइल फोन का उपयोग न करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

भिवंडी मनपा के पास एंबुलेंस नहीं होने से आपात स्थिति में मरीजों को उठानी पड़ रही भारी कीमत

भिवंडी । भिवंडी महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग के पास अपनी एंबुलेंस नहीं होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आपातकाल में निजी एंबुलेंस का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। शहर में 108 एंबुलेंस सेवा भी सीमित है और केवल दो एंबुलेंस उपलब्ध हैं ।कोरोना काल के बाद विधायक महेश चौघुले द्वारा मनपा को दी गई आधुनिक कार्डियक एंबुलेंस पर चालक और डॉक्टर की नियुक्ति नहीं होने से उसका उपयोग नहीं हो सका। बाद में एंबुलेंस को सेवा संस्थाओं को सौंप दिया गया, जिससे वर्तमान में मनपा के पास एक भी एंबुलेंस नहीं है। मनपा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग आयुक्त से की गई है। वहीं, इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. माधवी पंदारे ने बताया कि अस्पताल में 102 सेवा के तहत चार एंबुलेंस उपलब्ध हैं, जिनसे जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क रेफर करने का प्रयास किया जाता है।

महाकाल मंदिर में फिर टूटा दान का रिकॉर्ड, इस वर्ष समिति को मिले 144 करोड़ रुपए

-प्रेम चंद मिश्रा

भोपाल (उत्तरशक्ति)। उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद बाबा श्री महाकाल के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। आस्था के साथ दान का प्रवाह भी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में महाकाल मंदिर समिति को अब तक की सबसे बड़ी 144 करोड़ रुपये की आय हुई है। खास बात यह है कि इसमें सिर्फ लड्डू प्रसादी से ही 65 करोड़ रुपये की आय हुई है, जो बीते छह वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में मंदिर की आय में इस वर्ष करीब 27 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मंदिर समिति के आंकड़ों के मुताबिक, दान पेटियों से 62 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। नगद काउंटर से 5 करोड़ 50 लाख रुपये, मनीऑर्डर से 1 लाख 23 हजार रुपये, ऑनलाइन क्यूआर कोड के माध्यम से 3 करोड़ 60 लाख रुपये, अन्नक्षेत्र से 3 करोड़ 38 लाख रुपये और गुप्त दान के रूप में 4 करोड़ 65 लाख रुपये प्राप्त हुए। वहीं, श्रद्धालुओं की पहली पसंद लड्डू प्रसादी की बिक्री से मंदिर को 65 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके अलावा सोने-चांदी के करोड़ों रुपये मूल्य के आभूषण भी बाबा के दरबार में चढ़ाए गए हैं। राम मंदिर दान विवाद के बाद महाकाल मंदिर समिति और अधिक सतर्क हो गई है। सहायक प्रशासक आशीष पलवड़िया ने बताया कि मंदिर में 95 दान पेटियां लगी हुई हैं। हर सप्ताह सुरक्षा व्यवस्था के बीच इन्हें गणना कक्ष में लाया जाता है। निरीक्षकों और अधिकारियों की मौजूदगी में पेटियां खोली जाती हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और सीसीटीवी से निगरानी की जाती है। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

छत के रास्ते घुसे चोरों ने उड़ाए 45 लाख के आभूषण सहित 30 हजार नकदी भी किया पार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार की रात नगर के मोहल्ला नालापार में पवन हलवाई के घर चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोर छत के रास्ते मकान में घुसे और करीब 45 लाख रुपये कीमत के जेवरात व 30 हजार रुपये नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार पवन हलवाई अपने स्टेशन रोड स्थित नए मकान के गृह प्रवेश कार्यक्रम में परिवार के साथ गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर चोर छत के रास्ते अंदर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने कमरों में रखी आलमारी और बक्सों को खंगाल डाला और लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण व नकदी लेकर फरार हो गए।

ब्रेजा कार की स्कूटी से आमने-सामने भिड़ंत, महिला समेत तीन गंभीर घायल

-सरिता यादव

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार ब्रेजा कार और स्कूटी की आमने-सामने हुई भिड़ंत में महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद अनियंत्रित ब्रेजा कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी, जबकि चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरा गांव निवासी सुनीता (35) पत्नी श्यामलाल, सत्यम राजभर (26) पुत्र करन राजभर तथा आदित्य कुमार राजभर (3) स्कूटी से जौनपुर आरा अपने गांव केराकत थानागद्दी के रास्ते वाराणसी की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी स्कूटी बासबारी और उदयचंदपुर गांव के बीच स्थित ईंट भट्ठे के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में स्कूटी सवार तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद ब्रेजा कार सड़क किनारे खाई में उतर गई। चालक मौके का फायदा उठाकर कार छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ब्रेजा कार को अपने कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

फोर्टिस हॉस्पिटल मुलुंड ने उल्हासनगर में फोर्टिस मेडिकल सेंटर का उद्घाटन किया

उल्हासनगर। फोर्टिस हॉस्पिटल मुलुंड ने आज उल्हासनगर में अपने नए फोर्टिस मेडिकल सेंटर का उद्घाटन किया। इस नए केंद्र के माध्यम से उल्हासनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओपीडी सेवाएं अब उनके नजदीक उपलब्ध होंगी। यह पहल शहर के विभिन्न इलाकों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के फोर्टिस समूह के उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस केंद्र का उद्घाटन बाबा साई कालिराम साहेब जी के हाथों हुआ। इस अवसर पर डॉ. एस. नारायणी, बिजनेस हेड झ्र फोर्टिस हॉस्पिटल्स महाराष्ट्र, डॉ. विशाल बेरी, फैसिलिटी डायरेक्टर झ्र फोर्टिस हॉस्पिटल मुलुंड, तथा फोर्टिस हॉस्पिटल मुलुंड और कल्याण के वरिष्ठ डॉक्टर उपस्थित थे।

उल्हासनगर में स्थित यह फोर्टिस मेडिकल सेंटर एक आधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी आउटपेशेंट (ओपीडी) सुविधा है, जहां विभिन्न विशेषज्ञताओं के डॉक्टर मरीजों को परामर्श देंगे। विशेषज्ञ परामर्श के अलावा, केंद्र में 6 बेड वाला समर्पित डायलिसिस यूनिट भी उपलब्ध है, जिससे किडनी रोगियों और लंबे समय तक इलाज की आवश्यकता वाले मरीजों को नियमित उपचार में सुविधा मिलेगी। यह केंद्र फोर्टिस हेल्थकेयर के एकीकृत क्लिनिकल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जिससे मरीजों को विभिन्न विशेषज्ञताओं की समन्वित चिकित्सा सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी। उद्घाटन समारोह में बाबा साई कालिराम साहेब ने कहा, अच्छा स्वास्थ्य एक खुशहाल और प्रगतिशील समाज की नींव है। आज की व्यस्त जीवनशैली में बुजुर्गों, लंबे समय से बीमार लोगों और नियमित इलाज की जरूरत वाले मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उल्हासनगर में फोर्टिस मेडिकल सेंटर की स्थापना लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है।

7 महीने की गर्भवती महिला के दिमाग से निकाला दुर्लभ ट्यूमर

मुंबई। समय पर पहचान, अलग-अलग विशेषज्ञों के बीच तालमेल और आधुनिक सर्जरी क्षमता के महत्व को दिखाने वाले एक उल्लेखनीय मामले, जसलोक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञों ने 24 वर्षीय गर्भवती महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया, जिसे आंख के पीछे स्थित हिस्से से शुरू होकर दिमाग तक फैलने वाला एक दुर्लभ ट्यूमर था। मरीज दाईं आंख में तेजी से बढ़ती सूजन और दोहरी दृष्टि की शिकायत लेकर पहुंची थीं, खासकर दाईं ओर देखने पर यह समस्या अधिक हो रही थी। उस समय वह 28 सप्ताह (7 महीने) की गर्भवती थीं। प्रारंभिक जांच और एमआरआई स्कैन के बाद उन्हें आगे के मूल्यांकन के लिए जसलोक अस्पताल भेजा गया। जांच के दौरान जसलोक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी डॉ. सुधीर अम्बेकर ने पाया कि ट्यूमर आंख के पीछे के हिस्से को प्रभावित कर रहा था, आंख की ऊपरी हड्डी को क्षति पहुंचा रहा था और खोपड़ी के भीतर तक फैल गया था। इमेजिंग रिपोर्ट के आधार पर आशंका जताई गई कि यह ट्यूमर आक्रामक हो सकता है और संभावित रूप से कैंसरकारी भी हो सकता है। मरीज की गर्भावस्था को देखते हुए तुरंत एक अलग-अलग विशेषज्ञों की टीम बनाई गई, जिसमें कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी डॉ. सुधीर अम्बेकर, कंसल्टेंट, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. शिल्पा अग्रवाल और न्यूरो-एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. राजश्री देवपुजारी शामिल थीं। टीम ने सभी उपलब्ध विकल्पों पर सावधानी से विचार किया, जिनमें उपचार को प्रसव के बाद तक टालना या गर्भावस्था के दौरान ही ऑपरेशन करना शामिल था। चूंकि मरीज दूसरी तिमाही में थीं, जिसे गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सर्जरी के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित समय माना जाता है, इसलिए जोखिम और लाभ का आकलन करने के बाद सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान मां और बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तार से योजना बनाई गई। इस मामले पर बात करते हुए जसलोक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी डॉ. सुधीर अम्बेकर ने कहा, ऱगर्भवती मरीज में आंख के पीछे के हिस्से और खोपड़ी के भीतर तक फैले ट्यूमर के इलाज में बेहद सावधानीपूर्वक योजना बनाने और कई विशेषज्ञताओं के बीच बेहतरीन तालमेल की जरूरत थी। स्?कैन रिपोर्ट से शुरूआत में यह आशंका बनी थी कि ट्यूमर खतरनाक तरीके से बढ़ सकता है, लेकिन समय पर सर्जरी करने से हम मां और बच्चे, दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए ट्यूमर को पूरी तरह निकाल पाए। बाद में जब यह पता चला कि ट्यूमर वास्तव में एक गैर-कैंसरकारी कैपिलरी हेमांजियोमा था और मरीज 18 महीने से अधिक समय बाद भी रोगमुक्त हैं, तो यह परिणाम और भी संतोषजनक हो गया।